● वर्ष-3
● अंक-171
रायपुर, रविवार
25 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› क्वीन 2 में कंगना की वापसी कन्फर्म

# देश के विकास में छत्तीसगढ़ का विशेष योगदानः मोदी

## विकसित छत्तीसगढ़ से ही होगा विकसित भारत का सपना पूरा - प्रधानमंत्री

**रायपुर।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी रायपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़कर प्रदेश में 34 हजार 427 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इनमें 18 हजार 897 करोड़ रुपए की लागत वाली 9 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 15 हजार 530 करोड़ रुपए की एक परियोजना का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के विकास में छत्तीसगढ़ का विशेष योगदान है। विकसित छत्तीसगढ़ से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास परिश्रमी किसान हैं। प्रतिभाशाली नौजवान हैं और प्रकृति का खजाना है। यहां विकसित होने की सारी संभावना मौजूद है। आज छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़ी लगभग 35 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इनमें कोयले से जुड़े, सौर ऊर्जा से जुड़े और कनेक्टिविटी से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट हैं। इनसे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर बनेंगे।

आज एनटीपीसी के 1600 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर स्टेशन को राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इसके साथ ही इस आधुनिक प्लांट के 1600 मेगावाट के स्टेज 2 का शिलान्यास भी हुआ है। इन प्लांट से देशवासियों को कम लागत पर बिजली उपलब्ध हो पाएगी। हम छत्तीसगढ़ को सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनाना चाहते हैं। आज ही राजनांदगांव और भिलाई में बहुत बड़े सोलर प्लांट्स का लोकार्पण किया गया है। इसमें ऐसी व्यवस्था है जिससे रात में आसपास के लोगों को बिजली मिल सकेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार जिस प्रकार अपनी गारंटियों को पूरा कर रही है वो बहुत प्रशंसनीय है। छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया जा चुका है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के पैसे बढ़ाने की गारंटी मैंने दी थी। डबल इंजन सरकार ने यह गारंटी पूरी कर दी है। गरीबों के घर पहले नहीं बन पा रहे थे। अब हमारी सरकार गरीबों के घर बनाने तेजी से काम कर रही है। हर घर जल की योजना, इसे भी पूरा करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। पीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच का आदेश दे दिया गया है। मैं छत्तीसगढ़ की बहनों को महतारी वंदन योजना की बधाई देता हूँ इससे लाखों महिलाओं को लाभ होगा। हम जो कहते हैं वो कर के दिखाते हैं। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी।

( विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर )

### मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में प्रतिबद्धः साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में बताया कि छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ को संवारने का काम तेजी से हो रहा है। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के लोगों को गारंटी दी थी कि हमारी सरकार आने पर सुशासन स्थापित करते हुए नागरिकों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लायेंगे। इसके परिपालन में सरकार ने पहले ही दिन से ही प्रधानमंत्री जी की गारंटियों पर अमल शुरू कर दिया गया। 18 लाख परिवारों को पक्का आवास देने, किसानों को 2 साल का बकाया बोनस का भुगतान करने, 3100 रुपए क्विंटल के भाव से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदने, विवाहित माताओं-बहनों को हर महीने 1 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के लिए महतारी वंदन योजना शुरू करने जैसी अनेक गारंटियों को हम पूरा कर चुकें हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य देश के सामने रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए छत्तीसगढ़ भी पूरे मनोयोग के साथ अपनी भागीदारी के लिए तत्पर है। 'विकसित भारत' के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमने 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण का लक्ष्य स्वयं के सामने रखा है। राष्ट्र को नवनिर्माण के लिए एकजुट करने और हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने के लिए 16 दिसम्बर 2023 से छत्तीसगढ़ में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' शुरू हुई है। विकसित भारत संकल्प यात्रा की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसमें प्रदेश के सवा करोड़ लोग शामिल हुए, माताओं-बहनों ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इनमें से 1 करोड़ से अधिक लोगों ने ऑनलाइन संकल्प में भी भाग लिया। संकल्प यात्रा के दौरान स्वास्थ्य शिविरों में 66 लाख से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया, 55 लाख लोगों ने टीबी जांच कराई, 35 लाख लोगों ने सिकल सेल की जांच कराई।

# 1 जुलाई से लागू होंगे अपराधिक कानून

## अंग्रेजों नहीं अब अपने कानून से चलेगा देश

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त में पांच प्रण दिए थे। उसमें उन्होंने कहा था कि गुलामी की जितनी भी निशानियां हैं उससे मुक्ति पाना सबसे पहले काम है। गुलामी की सबसे बड़ी निशानी होने का ठप्पा आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंश एक्ट पर था। 1830, 1856, 1872 उस दौरान इन सब चीजों को लाया गया और हम अब तक ढो रहे थे। एक शख्स था थोमस बैबिंगटन मैकाले ये भारत तो आया था अंग्रेजी की पढ़ाई करने लेकिन उसके बाद इसी भारत में अगर किसी ने देशद्रोह का कानून ड्राफ्ट किया तो वो लार्ड मैकाले ही था। लेकिन अब न्याय के नये अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। अब अंग्रेजों के नहीं बल्कि अपने कानून से देश चलेगा। केंद्र सरकार की ओर से तीनों नए आपराधिक कानूनों को आगामी 1 जुलाई 2024 से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से तीनों नए आपराधिक न्याय विधेयकों को दिसंबर में मंजूरी दे दी थी। इसके साथ ही ये तीनों नए विधेयक कानून बन गए थे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023- भारतीय को प्रतिस्थापित करने का प्रस्ताव, दंड संहिता (आईपीसी), 1860, जिसे अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था, भारत का आधिकारिक आपराधिक कोड है जो विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को सूचीबद्ध करता है। राजद्रोह हटा, लेकिन एक और प्रावधान

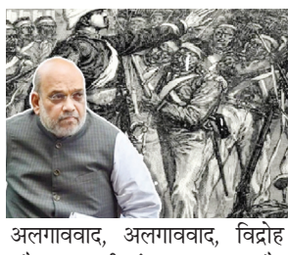

अलगाववाद, अलगाववाद, विद्रोह और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ कृत्यों को दंडित करना, नाबालिगों से सामूहिक बलात्कार और मॉब लिंचिंग के लिए मौत की सज़ा का प्रावधान, सामुदायिक सेवा को पहली बार दंडों में से एक के रूप में पेश किया गया भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023- दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 को बदलने का प्रस्ताव। सीआरपीसी आपराधिक मामलों में जांच, गिरफ्तारी, अदालती सुनवाई, जमानत और सजा की प्रक्रिया तय करती है। समयबद्ध जांच, सुनवाई और बहस पूरी होने के 30 दिनों के भीतर फैसला। यौन उत्पीड़न पीड़ितों के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य की जाएगी। अपराध की संपत्ति और आय की कुर्की के लिए एक नया प्रावधान पेश किया गया है।

**भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023**- इसने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान ले लिया। दस्तावेजों में इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड, ई-मेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य, मेल, उपकरणों पर संदेश भी शामिल होंगे। केस डायरी, एफआईआर, चार्ज शीट और फैसले सहित सभी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड का कागजी रिकॉर्ड के समान ही कानूनी प्रभाव, वैधता और प्रवर्तनीयता होगी। संशोधित विधेयक यह भी स्पष्ट करता है कि प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट तीन साल से अधिक की कारावास की सजा, या 50,000 से अधिक का जुर्माना, या दोनों या सामुदायिक सेवा की सजा दे सकते हैं।

**ये खुशी के आंसू हैं.... दोबारा ज्वाइनिंग करने पहुंची छात्रावास अधीक्षिका से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगी छात्राएं- नारायणपुर.** बालिका छात्रावास से स्थानांतरित की गई अधीक्षिका हाई कोर्ट से स्टे लेकर वापस ज्वाइनिंग करने पहुंची तो पूर्व अधीक्षिका को पाकर छात्राओं के खुशी का ठिकाना न रहा.

# दुविधा में टीएमसी, गठबंधन पर नहीं ले पा रही फैसला

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को इंडिया गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। चौधरी ने कहा कि वे (टीएमसी) दुविधा में हैं। पार्टी सुप्रीमो (ममता बनर्जी) की ओर से आधिकारिक तौर पर हां या ना होनी चाहिए। वे आधिकारिक तौर पर यह नहीं कह रहे हैं कि गठबंधन बनाने की प्रक्रिया ख़त्म हो गई है। क्योंकि वे दुविधा में हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर एक वर्ग का मानना है कि अगर पार्टी इंडिया गठबंधन के बिना अकेले चुनाव लड़ती है, तो पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक उनके खिलाफ मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि टीएमसी का एक धड़ा चाहता है कि गठबंधन जारी रहे। एक और वर्ग इस दुविधा में है कि अगर बंगाल में गठबंधन को ज्यादा महत्व दिया गया तो मोदी सरकार उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई

### अधीर रंजन चौधरी का ममता पर निशाना, शांतनु सेन का पलटवार

का इस्तेमाल करेगी... इन दोनों दुविधाओं के कारण टीएमसी कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले पा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हो सकता है कि दिल्ली में कुछ बातचीत हुई हो, लेकिन मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। वहीं, अधीर रंजन चौधरी के बयान पर टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने कहा कि अधीर चौधरी को पहले अपना रुख साफ करना चाहिए। हर कोई जानता है कि पिछले कुछ सालों से वह बीजेपी विरोधी ताकत टीएमसी को बदनाम करने और बीजेपी को ऑक्सीजन देने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को, कांग्रेस ने कहा कि पार्टी और टीएमसी के बीच सीट-बंटवारे की बातचीत पटरी पर आ गई है, क्योंकि टीएमसी ने शुरू में दावा किया था कि वह अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। कांग्रेस ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में कांग्रेस 17 सीटों पर और समाजवादी पार्टी 63 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

**प्रमुख समाचार**

### कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पातीः मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, मोदी का परिवार ही जनता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी पर भाई-भतीजावाद पर कटाक्ष किया। शनिवार को विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस अभी भी परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे नहीं सोच पा रही है। जो लोग अपने परिवार के लिए काम करते हैं वे कभी आपके और आपके प्रियजनों के बारे में नहीं सोच सकते। प्रधान मंत्री मोदी ने कहा, जो लोग अपने बेटों और बेटियों के लिए एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य बनाने में व्यस्त हैं, वे कभी भी आपकी जरूरतों पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या आपके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन मोदी के लिए आप, मेरे साथी नागरिक, परिवार हैं। आपके सपने मेरे हैं और मैं उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण, गरीब, किसान, युवा और नारीशक्ति के सशक्तिकरण से होगा। विकसित छत्तीसगढ़ की नींव, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से मजबूत होगी।

### मुस्लिमों का वोट खोने का डर., राज का शरद पर तीखा हमला

**मुंबई।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को एक भाषण के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज को याद करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की आलोचना की। राज ठाकरे ने दावा किया कि अनुभवी नेता ने अल्पसंख्यकों के वोट खोने के डर से कभी भी भाषणों और रैलियों में शिवाजी महाराज का नाम नहीं लिया। ठाकरे ने कहा कि शरद पवार, जिन्होंने कभी छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम तक नहीं लिया, आज उन्हें याद कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषणों में कभी छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम नहीं लिया क्योंकि शायद उन्हें यह चिंता रही होगी कि उनका नाम लेने से मुसलमानों से मिलने वाले वोट बंद हो जायेंगे, लेकिन अब वह छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम ले रहे हैं। राज ठाकरे छत्रपति शिवाजी के रायगढ़ किले से अपनी पार्टी के नए प्रतीक- तुरहा उड़ाता आदमी के औपचारिक लॉन्च पर शरद पवार के भाषण का जिक्र कर रहे थे। गुरुवार को पोल पैनल ने शरद पवार के गुट को चुनाव चिन्ह के रूप में तुतारी आवंटित किया। अतीत में, किसी युद्ध में या किसी राजा के आगमन पर तुतारी या तुरही बजाई जाती थी।

### आप-कांग्रेस की दिल्ली समेत 4 राज्यों के लिए सीटों की घोषणा

**नई दिल्ली।** कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को दिल्ली, गुजरात, गोवा और हरियाणा में सीट बंटवारे की घोषणा की जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में आप चार और कांग्रेस तीन सीट पर चुनाव लड़ेगी. इसके साथ ही आम आदमी पार्टी गुजरात की भरूच और भावनगर सीट तथा हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भी चुनाव लड़ेगी. पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है, हालांकि चंडीगढ़ लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस अपना प्रत्याशी उतारेगी. विपक्षी गठबंधन इंडिया घटक दलों के बीच पिछले कुछ दिनों के भीतर सीट बंटवारे से जुड़ी यह दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा है. गत 21 फरवरी को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे का ऐलान किया गया था. उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस 17 पर चुनाव लड़ रही है. दिल्ली में आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी. 'आप' दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस चांदनी चौक, उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी.

### यूएन में बड़ा बवाल होना तय परमानेंट सीट पर भारत ठोक दिया अपना दावा

**नई दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलावों की मांग को लेकर भारत अब और भी ज्यादा मुखर हो रहा है। भारत एक कदम आगे आकर अब खुलकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। केवल पांच सदस्यों के पास स्थायी सदस्यता का होना पूरी दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस बात को भारत कई बार कहता आया है। अब फिर एक बार भारत ने इस बात को दोहराते हुए यूएन के सामने स्थायी सदस्यता की मांग पेश कर दी है। भारत ने फिर एक बार दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव होने चाहिए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों का आह्वान किया है। इतना ही नहीं भारत के लिए स्थायी सीट की मांग की गई है। भारत के विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने ब्राजील में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। ब्राजील की अध्यक्षता के तहत जी20 की मंत्रिस्तरीय बैठक में मुरलीधरन ने बातचीत सतत विकास और बहुपक्षीय सुधारों की वकालत करते हुए अधिक वैश्विक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर प्रतिबद्धता की मांग की है।

### हल्द्वानी हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक गिरफ्तार

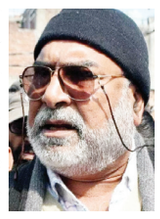

**नई दिल्ली।** एक बड़ी सफलता में हलद्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक को शनिवार को नई दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। 8 फरवरी को बनभूलपुरा में अवैध मदरसे में तोड़फोड़ को लेकर हुई हिंसा में अब तक 78 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों पर झूठे हलफनामे के आधार पर सरकारी विभागों और अदालत को गुमराह करने के लिए आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। मलिक और उनके बेटे अब्दुल मोइद के खिलाफ पहले लुक-आउट नोटिस जारी किया गया था और शहर में उनकी संपत्ति कुर्क की गई थी। पुलिस ने कहा कि मलिक ने अवैध मदरसे का निर्माण किया था और इसके विध्वंस का पुरजोर विरोध किया था। उनकी पत्नी ने विध्वंस के लिए नगर निगम के नोटिस को चुनौती देते हुए अदालत का रुख भी किया था। 8 फरवरी को बनभूलपुरा क्षेत्र में एक अवैध रूप से निर्मित मदरसे के विध्वंस पर हिंसा भड़क गई, जिसमें स्थानीय लोगों ने नगर निगम के कर्मचारियों और पुलिस पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके, जिससे कई पुलिस कर्मियों को पुलिस स्टेशन में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

# वाराणसी से फिर मोदी, 29 फरवरी को भाजपा कर सकती है 100 उम्मीदवारों का ऐलान

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों में पूरी तरह से जुट गई है. इसको लेकर 29 फरवरी को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है. सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक के बाद भाजपा के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट भी जारी की जाएगी. इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत करीब 80 से 100 उम्मीदवारों के नाम होंगे. इसमें कुछ अन्य बड़े चेहरे भी हो सकते हैं. सूत्रों के मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी फिर वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. नरेंद्र मोदी के नाम पर औपचारिक चर्चा हुई. पीएम मोदी का नाम यूपी बीजेपी की ओर से प्रस्तावित किया गया. उत्तर प्रदेश की हारी हुई लोकसभा सीटों पर तीन-तीन नामों के पैनल पर चर्चा हुई.

पीएम मोदी वाराणसी से सांसद हैं, जहां से वो दो बार जीत चुके हैं. वो 2014 में 3.37 लाख वोटों के भारी अंतर से चुने गए थे, वहीं 2019 में ये अंतर बढ़कर 4.8 लाख हो गया था. अमित शाह ने 2019 का चुनाव गांधीनगर से लड़ा था, ये सीट उस समय तक बीजेपी के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी के पास थी. इस बीच, भाजपा ने उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के लिए चुनावी रणनीति तय करने के लिए शनिवार को कई बैठकें की. भाजपा मुख्यालय में गृह मंत्री अमित शाह ने यूपी सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक, संगठन मंत्री धर्मपाल के साथ बैठक की. इसमें प्रदेश की कमजोर लोकसभा सीटों पर चर्चा हुई. बीजेपी ने जीत की दृष्टि से लोकसभा की कमजोर सीटों पर पहले उम्मीदवार उतारने की रणनीति बनाई है. 2019 के चुनाव में बीजेपी ने राज्य की 80 में से 62 सीटों पर जीत हासिल की थी.

उत्तर प्रदेश की बैठक के बाद पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी चर्चा हुई. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साई भी नई दिल्ली में बैठक में शामिल थे. सूत्रों ने कहा है कि चर्चा उन राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों के आसपास होगी, जहां भाजपा को कमजोर माना जाता है, और उन सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जल्दी घोषित होने की संभावना है.

बीजेपी की ये पहली सूची काफी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी ने लोकसभा की 543 सीटों में से 370 सीटें जीतने का बड़ा लक्ष्य रखा है और एनडीए के लिए 400 सीटें हासिल करने की दिशा में काम कर रही है.

### 100 दिन महत्वपूर्ण- पीएम मोदी

पिछले हफ्ते, प्रधानमंत्री ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से 370 सीटें जीतने के पार्टी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगन से काम करने का आग्रह किया था और उनसे कहा था कि अगले 100 दिन महत्वपूर्ण होंगे. पीएम ने पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा था, अगले 100 दिनों में, हम सभी को हर नए मतदाता, हर लाभार्थी, हर समुदाय तक पहुंचना होगा. हमें हर किसी का विश्वास जीतना होगा. एनडीए को 400 तक ले जाने के लिए, बीजेपी को 370 (सीटों) का आंकड़ा पार करना होगा.

ये दोहराते हुए कि वो सत्ता भोगने के लिए तीसरे कार्यकाल की मांग नहीं कर रहे थे, बल्कि इसलिए कि वो देश के लिए काम करना जारी रखना चाहते हैं. उन्होंने कहा, एक वरिष्ठ नेता ने एक बार मुझसे कहा था कि मैंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में काफी काम किया है और मुझे ऐसा करना चाहिए, लेकिन मैं राजनीति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रनीति के लिए काम कर रहा हूं. बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए अगले कुछ दिनों में केरल से भी अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है. ये सूची बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन के नेतृत्व में केरल पदयात्रा के समापन के मौके पर हो सकती है. इस दौरान 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पद यात्रा में शामिल हो सकते हैं. पार्टी आलाकमान राज्य के पार्टी नेतृत्व के साथ जल्द अंतिम चर्चा करेगा. तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदा सांसद शशि थरूर को चुनौती देने के लिए केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, अभिनेत्री शोभना और फिल्म निर्माता-सह-अभिनेता सुरेश कुमार के नाम पर विचार किया जा रहा है.

### केंद्रीय नेतृत्व को केरल से कई नाम प्रस्तावित

केरल की पहली सूची में तिरुवनंतपुरम, अटिंगल, कोल्लम, पथानामथिट्टा, पलक्कड़, एर्नाकुलम, त्रिशूर, मलप्पुरम, कोट्टायम और चालक्कुडी लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवार शामिल होंगे. पथानामथिट्टा सीट के लिए पी सी जॉर्ज और उनके बेटे शोन जॉर्ज की उम्मीदवारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं. इसके अलावा गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई का नाम भी केंद्रीय नेतृत्व को प्रस्तावित किया गया है. इतना ही नहीं बीजेपी चालक्कुडी निर्वाचन क्षेत्र में ट्वेंटी-20 पार्टी के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है. त्रिशूर सीट से एक्ट्रेस शोभना के नाम पर चर्चा हो रही है.

# राजिम कुंभ मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

■ पहुंचे विदेशी पर्यटक

**गरियाबंद।** गरियाबंद में आस्था और अध्यात्म का पर्व माघ पूर्णिमा के पुण्य अवसर पर शनिवार की तड़के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुन्नी स्नान के पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसी के साथ राजिम कुंभ कल्प मेला का भी शुभारंभ हो गया। आज माघ पूर्णिमा के अवसर पर अचंल सहित प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचे श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम पैरी सोढूर और महानदी में तड़के सुबह से डुबकी लगाकर अपने आप को धन्य किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ श्री राजीव लोचन और कुलेश्वरनाथ महादेव के मंदिर पहुंचकर दर्शन कर अपने परिवार की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की।

दोनों मंदिरों के अलावा श्रद्धालु लोमश ऋषि आश्रम, राजिम भक्तिन माता मंदिर, मामा-भांचा मंदिर, राजराजेश्वर, दानदानेश्वर, बाबागरीब नाथ महादेव के दर्शन किए। श्रद्धालु तीनों नदी, पैरी, सोढूर और महानदी की धार में डुबकी लगाने के बाद नदी के रेत में शिवलिंग बनाकर नारियल, बेल पत्ता, धतुरे का फूल, दूध चढ़ाकर पूजा अर्चना किया और नदी के धार में दीपदान किए। सूर्योदय के पूर्व पुन्नी स्नान का बड़ा महत्व है। दीप दान किए जाने का भी धार्मिक महत्व है, इसलिए नदी की धार में दीपदान कर श्रद्धालु सीधे श्री राजीव लोचन और भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन के लिए लोग पहुंचे।

### आठ मार्च को होगा समापन

सरकार बदलने के साथ ही छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक धार्मिक नगरी राजिम कुंभ कल्प मेले का स्वरूप भी इस बार बदला हुआ है। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज तीर्थ नगरी राजिम में इस वर्ष राजिम माघी पुन्नी मेला की जगह राजिम कुंभ कल्प मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 फरवरी से 08 मार्च तक होगा। इसके अंतर्गत संत समागम का आयोजन 03 मार्च से 08 मार्च तक रहेगा। इस दौरान तीन पर्व स्नान 24 फरवरी माघ पूर्णिमा, 04 मार्च जानकी जयंती और 08 मार्च महाशिवरात्रि को होगा।

माघ पूर्णिमा के दिन भगवान श्री राजीव लोचन का जन्म दिवस है। इसके उपलक्ष्य में सदियों से राजिम के इस पावन भूमि में मेले भरते आ रहा है। भगवान का जन्मोत्सव मंदिर प्रांगण में बैंड-बाजे के साथ बहुत ही धूम-धाम से मनाया जा रहा है। भगवान के पूजा के बाद नया लाल ध्वज मंदिर के कलश में चढ़ाया गया। माघ पूर्णिमा को लेकर भगवान श्री राजीव लोचन का मंदिर दमकने लगा है। बिजली की झालर और तेज लाइट की रोशनी से जगमगाने लगा है।

### रामोत्सव की थीम पर होगी भव्य झांकी

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर राजिम कुंभ में इस बार रामोत्सव थीम पर भव्य झांकी तैयार की गई है। इसमें प्रभु श्रीराम के छत्तीसगढ़ में वनवास काल के दौरान पलों को झांकी के माध्यम से बताया जाएगा। झांकी के प्रदर्शन में लेजर लाइट और साउंड इफेक्ट का भी समावेश किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। लक्ष्मण झूले को भी एलईडी लाइट से सजाया गया है। राजिम कुंभ को भव्य स्वरूप देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है।

### सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मंदिर से लेकर पूरे मेला स्थल के चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। मंदिर में भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हैं। श्री राजीव लोचन दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को कुलेश्वर महादेव के मंदिर तक नदी की रेत में चलकर जाना पड़ेगा। इस बार भी फर्सी पत्थर बिछाकर सड़क बनाई गई है।

### पहुंचे विदेशी पर्यटक

विश्व प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ के प्रयागराज राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेले में पहले ही दिन पोलैण्ड से पर्यटक राजिम पहुंचे। पर्यटक जॉन और अनु ने नदीं क्षेत्र में कुंभ का आनंद लिया। चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि राजिम आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। यहां के लोगो एवं मेले की भव्य सजावट देखकर काफी प्रभावित हुए। कहा वे पहली बार राजिम कुंभ में आए हैं। उनका मुख्य उद्देश्य साधु-संतों से मिलने का था, लेकिन साधु संतों से नहीं मिलने के कारण उन्हें काफी निराशा भी हुई।

## देर रात पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

# होटल, लॉज की हुई चेकिंग ली गई पूरी जानकारी

**जगदलपुर।** बस्तर पुलिस द्वारा देर रात अलग-अलग क्षेत्रों में कॉम्बिंग गस्त किया। इस दौरान होटल, लॉज में रुकने वाले यात्रियों के सामानों की जांच करने के साथ ही होटलों में रुकने वाले की पूरा जानकारी ली गई।

बताया जा रहा है कि बस्तर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु काम्बिंग गश्त लगातार किया जा रहा है, जिसके लिए जिला बस्तर के समस्त थानों /चौकियों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मध्यरात्रि से लेकर सुबह तक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा आपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने की बात कहते हुए संपूर्ण जिला में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए समस्त एसडीओपी अधिकारियों व थाना प्रभारीगण के द्वारा पुलिस बल के साथ मध्य रात्रि में कॉम्बिंग गश्त की शुरुआत की गई।

जिला बस्तर के समस्त शहर के मुख्य इलाकों में गश्त किया गया तथा लॉज / होटल/ धर्मशाला/ सराय की बारीकी से चेकिंग की गई, साथ ही मोबाइल चेक पोस्ट के माध्यम से शहर में प्रवेश करने वाले समस्त वाहनों एवं सामानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाना एवं आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराना है।

# जरुरतमंद दिव्यांगों के पास नहीं है ट्राई सायकल इधर खुले में कबाड़ की तरह सैकड़ों फांक रही धूल

**मुंगेली।** मुंगेली में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को नि:शुल्क दिये जाने वाला ट्राई सायकल खुले आसमान में सालों से अव्यवस्थित तरीके से पड़ी हुई है, जिसकी सुध लेने वाला विभाग जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा मुंगेली समाज कल्याण विभाग को मांग के अनुरूप वर्ष 2019 में ट्राई सायकल को हस्तांतरित किया गया था। जो अब धूल खाते कुछ कबाड़ में तब्दील हो गया, तो कुछ हो रहा है। यानी माना जा सकता है कि शासकीय राशि का पूरी तरह से दुरुपयोग विभाग की लापरवाही से हो रहा है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक शारदा जायसवाल से मामले की जानकारी लेने के लिए जब उनसे सवाल किया गया तो मैडम साहिबा के तेवर ही अलग नजर आए। उन्होंने गैर जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा कि अब मोटर ट्राई सायकल आने की वजह से हाथ वाली ट्राई सायकल कोई नहीं ले जाता। तब उनसे पूछा गया कि जब जरूरत नही तो मांग भेजकर इतनी बड़ी संख्या में ट्राई सायकल मंगवाकर शासकीय राशि का दुरुपयोग क्यों किया गया? यहां तक कि कई ट्राई सायकल कबाड़ में तब्दील हो गई जिसका उपयोग अब कैसे होगा? तब मैडम साहिबा ने एक लाइन मे तमकते हुए यह कह दिया कि जाओ जो करना है जैसे करना है करो और अपने रूम से भाग खड़ी हुई। सोचिए कि अगर जिम्मेदार के ये हालात है तो दिव्यांग जनों के लिए ये विभाग में कैसा व्यवहार होता होगा। इस मामले को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के नेताओ ने विभाग की लापरवाही की शिकायत सीएम से करने की बात कही हैं है।

इस मामले को लेकर कांग्रेसी नेता रामचंद्र साहू ने कहा कि कमीशनखोरी के चक्कर मे विभाग के अधिकारियों ने जरूरत से ज्यादा ट्राई सायकल की खरीदी कर ली है। तभी तो बचे हुए सैकड़ो की संख्या में ट्राइ सायकल को कबाड़ की तरह फेंक दिया गया है। ऐसे लापरवाह विभाग के अधिकारी के ऊपर सखत कार्रवाई होना चाहिए। जब जरूरत ही नहीं थी तो इतनी बड़ी संख्या में खरीदी करके शासन के पैसे की बर्बादी करने की जरूरत क्या थी?

बीजेपी के जिला अध्यक्ष शैलेष पाठक ने कहा कि दिव्यांगजन आज भी ट्राई सायकिल के लिए बीजेपी कार्यालय से लेकर विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के पास मांग लेकर पहुचते रहते है। इसके अलावा जनदर्शन में भी मांग करने की बात सामने आती है। लेकिन समाज कल्याण विभाग के गैर जिम्मेदार अधिकारी यदि दलील दे रहे है कि अब लोगो को इसकी जरूरत नहीं तो यह गलत बात है और यदि जब लोगो को जरूरत ही नहीं तो फिर शासन के पैसे की बर्बादी करने का अधिकार उनको किसने दिया है। यह शासन नहीं बल्कि आम जनता के पैसे की बर्बादी है। किस मद से कब और कितने रुपये में खरीदी की गई है इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए।

# नक्सलियों का डीआरजी जवानों के साथ मुठभेड़, एक ढेर

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ और हमले की वारदातें इन दिनों बढ़ गई हैं। सुकमा के बुर्कालंका इलाके में डीआरजी जवानों के साथ नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक नक्सली मारा गया है और सर्च ऑपरेशन चल रहा है। एसपी किरण चौहान ने बताया कि बुरकलांका इलाके में डीआरजी जवानों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया है। मारे गए नक्सली का शव बरामद कर लिया गया है। नक्सलियों के साथ पुलिस टीम की आज सुबह शनिवार को सुकमा जिले के बुर्कालंका में मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में जहां एक नक्सली के शव के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग अभियान किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि शुक्रवार की रात जवानों की एक टीम सर्चिंग के लिए निकली हुई थी। शनिवार की सुबह सुकमा के बुर्कलंका इलाके में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। करीब 20 मिनट तक चली मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली का शव पुलिस ने बरामद कर लिया है। बस्तर संभाग में पुलिस द्वारा लगातार नक्सलियों के खिलाफ सर्च आपरेशन चला रहे है। मुठभेड़ के बाद बुर्कलंका इलाके में सर्चिंग की जा रही है। वही ऐसा अनुमान भी लगाया जा रहा है कि इस मुठभेड़ में और कई नक्सली भी घायल भी हुए है।

### चुनाव बहिष्कार के पाम्पलेट व पर्चा के साथ 4 नक्सली गिरफ्तार

**बीजापुर।** जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना कुटरू से डीआरजी की टीम पोनडवाया, केतुलनार की ओर निकली थी। पोनडवाया पहाड़ी वाटर पाईन्ट के पास से चुनाव बहिष्कार केपाम्पलेट व पर्चा के साथ सुरक्षाबल के जवानों ने चार नक्सली मिलिशिया सदस्यों जयसिंग मुडामी, फागूराम पोयाम, गोविन्द वट्टी व गुट्टा उद्दे सभी निवासी पोनडवाया थाना कुटरू को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली मिलिशिया सदस्यों के कब्जे से चुनाव बहिष्कार के पर्चे, पाम्पलेट, पटाखे, बैटरी आदि बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार नक्सली मिलिशिया सदस्य नक्सलियों के लिए लेवी वसूली मीटिंग के लिए ग्रामीणों को एकत्रित करना तथा नक्सलियों के लिए राशन इक्ठ्ठा करने जैसे कामों में सक्रिय थे। उक्त मिलिशिया सदस्यों के विरुद्ध छग विशेष जनसुरक्षा अधिनियम 2005 की धाराओं में वैधानिक कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया।

### लोहे का स्पाईक व नक्सल सामग्री के साथ 2 नक्सली गिरफ्तार

**दंतेवाड़ा।** नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबीर और सीआरपीएफ 231 वीं वाहिनी से मिली आसूचना थाना अरनपुर द्वारा ग्राम मेडपाल चौक के पास एमसीपी लगाकर मेडपाल जंगल से 2 नक्सली माड़वी जोगा पिता स्व. सोना माड़वी निवासी दुरमा नयापारा थाना जगरगुण्डा बेड़मा पंचायत मिलिशिया सदस्य एवं माड़वी हड़मा पिता माड़वी सुक्का निवासी दुरमा नयापारा सुकमा ग्राम दुरमा संघम सदस्य के पद पर सक्रिय रहे को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लोहे का स्पाईक, नक्सली साहित्य, नक्सली बैनर, पोस्टर एवं पाम्पलेट बरामद कर उनके विरूद्ध थाना अरनपुर में अप.क्र.- 02/24 धारा- 8(1)(3)(5) ज.सु.अधि. पंजीबद्ध कर कार्यवाही उपरांत आज न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त नक्सलियों की गिरफ्तारी में थाना अरनपुर और सीआरपीएफ़ 231 वी वाहिनी आसूचना शाखा का योगदान रहा।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई दो लाख कैश जब्त

**मुंगेली।** मुंगेली जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जुआ-सट्टा के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, थाना मुंगेली पुलिस द्वारा मुखबिरों की सूचना पर यश पान ठेला के पास दबिश देकर सट्टा खेला रहे आरोपी नमन गुप्ता के कब्जे से राशि 35100/- रूपये जप्त एवं घुठेरा रोड दाउपारा में दबिश देकर सट्टा खेला रहे आरोपी इकबाल खान के कब्जे से राशि 7500/- रूपये जब्त किया गया। इस प्रकार दोनों आरोपियों के कब्जे से 200000/- रूपये का सट्टा-पट्टी एवं कुल 42600/- रूपये नकद जप्त कर आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। जुआ-सट्टा पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जायेगी।

### 3 कातिलों को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा, जुर्माना भी

**जगदलपुर।** जादू टोना के शक में ग्रामीण की हत्या करने वाले तीन आरोपियों को कोर्ट ने 4 साल बाद उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थ दंड भी लगाया है। वहीं दो आरोपी अब भी फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है। दरअसल, बस्तर के बड़े काकलूर में साल 2019 में हुई ग्रामीण की हत्या मामले में जिला सत्र न्यायाधीश ने ये सजा सुनाई। लोक अभियोजक अखिलेश्वर दास ने बताया कि आरोपियों की ओर से मृतक फगनू के खेत में लंबे समय से खेती किसानी का काम करते थे। परिवार के सदस्यों के लगातार बीमार रहने से आरोपियों को शक था कि फगनू की ओर से जादू टोना करने के चलते घर के सदस्य बीमार हो रहे हैं। इसी शक के कारण आरोपियों ने 26 दिसंबर 2019 को लाठी डंडों से पीटकर फगनू की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि बाद में कोड़ेनार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। फिर पुलिस ने इस मामले में आरोपी सुखराम पोयामी, मासा पोयामी और बामन पोयमी को गिरफ्तार किया था। वहीं इस मामले के अन्य आरोपी जिलाराम पोयाम और सीतू पोयामी अब भी फरार चल रहे हैं।

### कुसमुंडा खदान के बैरियर में लगी भीषण आग, ट्रेलर खाक

**कोरबा।** जिले के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत थाना चौक से कुसमुंडा खदान प्रवेश करने वाले मार्ग पर 5 नंबर बैरियर के बाहर आज शनिवार की तड़के सुबह लगभग 4 बजे एक खड़ी ट्रेलर में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते भीषण रूप ले लिया। कुछ देर में आग ने पूरे केबिन को स्वाहा कर दिया। केवल लोहे और टीन का ढांचा शेष रह गया। ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 सी 6352 के चालक ने बताया की वह कुसमुंडा खदान में कोयला लदान के लिए प्रवेश करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान केबिन में शॉर्ट सर्किट हुआ। जिस वजह आग लग गई। वाहन चालक की माने तो वह खाली गाड़ी में कोयला लोड करने देर रात पहुंचा था। सुबह लगभग चार बजे कलर लोडिंग के लिए ट्रक कतार में खड़ा हुआ था। इस दौरान अचानक से शॉर्ट सर्किट होने के चलते वाहन में आग लग गई। कुछ समझ आता उससे पहले ही वाहन धू-धू कर जलने लगा। चालक ने यह भी बताया कि इसकी सूचना उसने दमकल वाहन और 112 को भी दी गई।

### मोबाइल का बिल नहीं देने को लेकर विवाद

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के चांपा के मोदी चौक के पास रिया मोबाइल संचालक के गले पर चाकू से हमला कर हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी युवक कालेश्वर दिवाकर को पुलिस ने रेलवे स्टेशन चांपा से गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद किया गया है। मोबाइल बिल नहीं देने की बात को लेकर आरोपी ने दुकान में विवाद किया था। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। चांपा पुलिस से मिलीं जानकारी के अनुसार, आरोपी मुकेश दिवाकर 20 फरवरी की दोपहर 3.30 बजे मोदी चौक स्थित रिया मोबाइल दुकान के अंदर गया। उस समय दुकान में राहुल ताम्रकार था। जिससे एक माह पूर्व आरोपी कालेश्वर दिवाकर के चाचा मुकेश दिवाकर ने फयनेश में मोबाइल लिया गया था। जिसका बिल नहीं दिया गया था, जिसे लेने को लेकर कमलेश्वर दिवाकर गया हुआ था। जिसपर राहुल ताम्रकार से विवाद करने लगा था उसी समय खाना खाकर आहत महेश ताम्रकार दुकान आया हुआ था। इस बीच आरोपी कमलेश्वर दिवाकर को समझाते हुए वापस भेज दिया गया।

### छठी कार्यक्रम में डीजे पर डांस के दौरान हुई मारपीट

**कोरबा।** कोरबा में छठी कार्यक्रम उस वक्त अखाड़े का मैदान बन गया जब एक युवक ने दूसरे युवक की जमकर पिटाई कर दी, लात घूसे से पीटने के बाद उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। इस घटना के बाद पीड़ित ने शिकायत पुलिस से की है जहां जांच जारी है। मानिकपुर चौकी इलाके के दादर बस्ती में सियाराम के घर पर छठी कार्यक्रम था। गांव में ही रहने वाले दिनेश लकड़ा और संदीप यादव भी आया हुआ था। कार्यक्रम में डीजे भी लगाया गया था, इस दौरान डीजे का फ्लोर कुश्ती का अखाड़ा बन गया। दोनों के बीच लात घुसे और मुक्के चले फिर अचनाक दिनेश लकड़ा पर संदीप यादव ने धारदार हथियार से हमला कर दिया जहाँ वो खून से लथपथ हो गया और युवक भाग खड़ा हुआ। दिनेश लकड़ा ने बताया कि डांस करते समय डीजे के फ्लोर में पैर फिसल गया और उसके पैर से लग गया इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया और विवाद शुरू हुआ। मानिकपुर चौकी पुलिस ने इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

# तीसरी लाइन कनेक्टीविटी कार्य से रेल यातायात पर असर

■ पार्वतीपुरम व गुमड़ा सेक्शन में 3 से 5 मार्च तक के मध्य नॉन-इंटरलाकिंग का कार्य किया जाएगा

**बिलासपुर।** पूर्व तटीय रेलवे के वाल्टेयर मंडल के अंतर्गत पार्वतीपुरम एवं गुमड़ा सेक्शन में तीसरी लाइन कनेक्टीविटी कार्यहेतु 3 से 5 मार्च तक के मध्य नॉन-इंटरलाकिंग का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबन्धित कुछ यात्री गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

**रद्द होने वाली गाडियां**- 29 फरवरी से 5 मार्च तक रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08527 रायपुर-विशाखापट्टनम पैसे. स्पे रद्द रहेगी।

29 फरवरी से 5 मार्च तक विशाखापट्टनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08528 विशाखापट्टनम-रायपुर पैसे. स्पे रद्द रहेगी।

**विलंब से रवाना होने वाली गाडियां**- 3 मार्च को विशाखापट्टनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या

22847 विशाखापट्टनम-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 5 घंटे 30 मिनिट विलंब से गंतव्य को रवाना होगी।

**मार्ग परिवर्तित गाडियां**- 29 फरवरी, 2, 3 एवं 5 मार्च, को विशाखापट्टनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12807 विशाखापट्टनम-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग दुव्वाडा-विजवाड़ा-बल्हारशाह के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी।

29 फरवरी, 1, 2 एवं 4 मार्च,को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12808 निज़ामुद्दीन-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बल्हारशाह-विजवाड़ा- दुव्वाडा- रोड़ के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी।

29 फरवरी, 1, 2 एवं 5 मार्च,को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12843 पूरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खुर्दा रोड़-करेजंगा-टिटलागढ़ के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी।

29 फरवरी, 2, 3 एवं 4 मार्च को अहमदाबाद से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12844 अहमदाबाद-पूरी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग टिटलागढ़-करेजंगा-खुर्दा रोड़ के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी।

28 फरवरीको गांधीधाम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22973 गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खुर्दा रोड़-करेजंगा-टिटलागढ़ के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी। 03 मार्च 2024 को पूरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 22974 पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग टिटलागढ़-करेजंगा-खुर्दा रोड़ के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होगी।

# तहसील कार्यालय में बिना पैसे नहीं होता काम, हाईकोर्ट ने एसडीएम को किया तलब, कलेक्टर से भी मांगा जवाब

**बिलासपुर।** डायवर्सन के नाम पर बिलासपुर तहसील में भ्रष्टाचार और बिना पैसे काम नहीं किए जाने की शिकायत मामले में हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है, जिस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए बिलासपुर कलेक्टर को शपथ पत्र के साथ जवाब देने कहा है। कोर्ट ने कलेक्टर से पूछा है कि डायवर्सन के कितने केस दर्ज हैं और कितने पेंडिंग हैं। साथ ही हाइकोर्ट चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिविजन बेंच ने बिलासपुर एसडीएम को भी तलब किया है।

बता दें कि बिलासपुर निवासी रोहणी दुबे ने बिलासपुर तहसील में एक डायवर्सन के प्रकरण के लिए आवेदन किया था। काफी समय बाद भी तहसील में इस मामले की ना तो सुनवाई हुई, न ही इसका निराकरण किया गया। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि सिर्फ कुछ पैसों को लेकर यह प्रकरण रोका गया है। इसका विरोध करते हुए उन्होंने अधिकारियों से जवाब मांगा, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद रोहणी ने अपने अधिवक्ता राजीव दुबे के

जरिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें कहा गया है कि तहसील कार्यालय में बिना पैसों के कुछ काम नहीं होता। तहसील कार्यालय में एसडीएम के नाक के नीचे जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। हाईकोर्ट चीफ जस्टिस के डिविजन बेंच ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बिलासपुर कलेक्टर से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है और एसडीएम को 27 फरवरी की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है।

# प्रधानमंत्री ने 34 हजार 427 करोड़ की 10 परियोजनाओं का किया वर्चुअल लोकार्पण

## प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज, बोले- गरीबों को लूटने वाले को उनका पैसा लौटाना पड़ेगा, छत्तीसगढ़ को बनाएंगे सौर ऊर्जा का हब

■ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रहे मौजूद

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित इंडोर स्टेडियम में आज शनिवार को बटन दबाकर 34 हजार 427 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके तहत भिलाई के जंजगिरी में रेलवे के 50 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट को राष्ट्र के नाम समर्पित किया। इस मौके पर प्रदेश के सीएम विष्णुदेव साय, स्कूल शिक्षा बृजमोहन अग्रवाल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम आदि मौजूद रहे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कहा कि आज हम विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आपके बीच आये हैं। हम छत्तीसगढ़ को सौर ऊर्जा का हब बनाएंगे। हर घर को सूर्यघर बनाएंगे। हर घर में बिजली बनाकर, वहीं बिजली बेचकर आय का जरिया देंगे। इसी उद्देश्य के साथ हमने पीएम सूर्योदय योजना शुरू की है। पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीबों को लूटने वाले को उनका पैसा लौटाना पड़ेगा।

पीएम ने सूर्योदय योजना को लेकर कहा कि अभी यह योजना एक करोड़ परिवारों के लिए है। इसमें सरकार घर के छत पर सौर पैनल लगाने के लिए सीधे बैंक खाते में पैसे भेजेगी। इससे 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी और ज्यादा बिजली पैदा होगी तो सरकार बिजली खरीदेगी।। इससे परिवारों को हर वर्ष हजारों रुपए की कमाई होगी। भारत सरकार का लक्ष्य सोलर पॉवर से देश के लोगों को बिजली देने के साथ ही साथ ही उनका बिजली बिल जीरो करने का भी है। आज राजनांदगांव और भिलाई में बहुत बड़े सोलर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है। इसमें ऐसी व्यवस्था है जिससे रात में आसपास के लोगों को बिजली मिलेगी। गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति के सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा। यह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से बनेगा। आज छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़ी लगभग 35 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इनमें कोयले से जुड़े, सौर ऊर्जा से जुड़े और कनेक्टिविटी से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट हैं। इनसे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर बनेंगे।

### राष्ट्र को समर्पित 1600 मेगावाट सुपर थर्मल पॉवर प्लांट

उन्होंने कहा कि आज एनटीपीसी के 1600 मेगावाट के सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन को राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इसके साथ ही इस आधुनिक प्लांट के 1600 मेगावाट के स्टेज 2 का शिलान्यास भी हुआ है। इन प्लांट से देशवासियों को कम लागत पर बिजली उपलब्ध हो पाएगी। सरकार का जोर हमारे अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का भी है। सोलर पंप के लिए खेत के किनारे बंजर जमीन पर छोटे सोलर प्लांट लगाने सरकार मदद दे रही है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार जिस प्रकार अपनी गारंटियों को पूरा कर रही है वो बहुत प्रशंसनीय है। छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया जा चुका है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के पैसे बढ़ाने की गारंटी मैंने दी थी। डबल इंजन सरकार ने यह गारंटी पूरी कर दी है। गरीबों के घर पहले नहीं बन पा रहे थे। अब हमारी सरकार गरीबों के घर बनाने तेजी से काम कर रही है। हर घर जल की योजना, इसे भी पूरा करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है।

### पीएम ने कहा- मोदी की गारंटी यानी गारंटियों की गारंटी

प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास परिश्रमी किसान, प्रतिभाशाली नौजवान और प्रकृति का खजाना है। विकसित होने के लिए जो भी चाहिए, छत्तीसगढ़ के पास पहले भी मौजूद था। आज भी है। आप सभी मोदी के परिवार हैं। आपके सपने ही मोदी का संकल्प हैं। आज मैं विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ की बात कर रहा हूँ। 140 करोड़

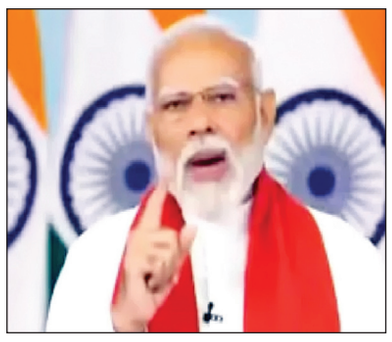

देशवासियों के इस सेवक ने अपने परिश्रम और निष्ठा की गारंटी दी है। हमने गारंटी दी थी कि सरकार ऐसी होगी कि पूरी दुनिया में हर भारतीय का माथा गर्व से ऊंचा होगा। इस गारंटी को पूरा करने मैंने अपने आप को खपा दिया। 2014 में मोदी ने गारंटी दी थी कि सरकार गरीबों के लिए कोई कोरकसर बाकी नहीं रहेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीबों को लूटने वाले को गरीबों का पैसा लौटाना पड़ेगा। गरीबों का पैसा लूटने वालों पर सख्त कार्रवाई हो रही है। पीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच का आदेश दे दिया गया है। हम जो कहते हैं वो कर के दिखाते हैं। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। मुफ्त राशन, सस्ती दवाएं, गरीबों के लिए घर, घर घर कनेक्शन, साफ जल, हर घर टायलेट ये सारे काम हो रहे हैं। जिन गरीबों ने इन सुविधाओं की कल्पना भी नहीं की थी उनके घर में भी यह सुविधाएं पहुंच रही हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मोदी की गारंटी वाली गाड़ी इसलिए ही गांव गांव आई थी।

### हमारे पूर्वजों ने जो सपने देखे वैसा ही बन रहा नया भारत

पीएम मोदी ने कहा कि आज देखिये चारों तरफ हमारे पूर्वजों ने जो सपने देखे, वैसा ही नया भारत बन रहा है। दस वर्ष पहले किसी ने सोचा भी था कि गांव गांव में डिजिटल पेमेंट होगा। कहीं अर्जी देनी हो, कहीं बिल चुकाना हो क्या घर से हो सकता है। क्या किसी ने सोचा था। क्या किसी ने सोचा था कि बाहर मजदूरी करने गया बेटा पलक झपकते ही पैसा भेज पाएगा। क्या किसी ने सोचा था कि केंद्र की सरकार पैसे भेजेगी और तुरंत संदेश आ जाएगा कि पैसे पहुंच गये। बीते दस साल में हमने चौतींस लाख करोड़ रुपए से ज्यादा डीबीटी अर्थात डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर से पैसे भेजे। देश की जनता के बैंक खातों में हमने इतनी बड़ी राशि भेजी। हमने मुद्रा योजना के तहत भी युवाओं को करोड़ों रुपए की मदद दी है। हमने पीएम सम्मान निधि के तहत पौने तीन लाख करोड़ रुपए किसानों को दिये। आज हमारी सरकार है जो गरीबों को अपना अधिकार दिला रही है। जब भ्रष्टाचार रूकता है तो विकास की योजनाएं आरंभ होती हैं। रोजगार बढ़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य की आधुनिक सुविधाएं भी बनती हैं

### एक नजर में जंजगिरी रेलवे सोलर पॉवर प्लांट

भिलाई में 280 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित रेलवे सोलर पॉवर प्लांट की क्षमता 50 मेगावाट है। यह सोलर पावर प्लांट सौर ऊर्जा से रेल गाड़ियों का परिचालन, ग्रीन इनर्जी, क्लीन इनर्जी के संकल्पना का विकास, कार्बन डायऑक्साइड के उत्सर्जन में प्रतिवर्ष 86 हजार टन की कमी और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे से निपटने में सहायक होगा। दुर्ग और रायपुर के बीच सौर ऊर्जा से रेलगाड़ियां चलेंगी। इसके साथ ही रेलवे के आवासों में भी यहीं की बिजली का उपयोग किया जाएगा। रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के सहयोग से चेन्नई की एक कंपनी ने 50 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित है किया है, सौर ऊर्जा से बिजली पैदा होगी और पॉवर ग्रिड के माध्यम से रेलवे को इसकी सप्लाई की जाएगी। जंजगिरी के 210 एकड़ की जमीन पर अगले 25 सालों के लिए इस सोलर प्लांट की स्थापित किया जा रहा है। इस प्लांट को तैयार करने में लगभग 280 करोड़ की लागत से बन रही हैं। इस सौर ऊर्जा प्लांट से रेलवे को करोड़ों बचत होगी। बिजली की मौजूदा दर के हिसाब से ही सालाना करीब 13 करोड़ और 25 साल में 360 करोड़ रुपये की बचत होगी।

### पीएम मोदी ने किया इन परियोजनाओं को लॉन्च

• प्रधानमंत्री कोयला मंत्रालय अंतर्गत रायगढ़ क्षेत्र में 173.46 करोड़ रुपए की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट छाल कोल हेंडलिंग प्लांट, दीपका क्षेत्र में 211.22 करोड़ रूपए की लागत की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट दीपका कोल हेंडलिंग प्लांट, रायगढ़ क्षेत्र में 216.53 करोड़ रुपए की लागत के ओपन कास्ट प्रोजेक्ट बरौद कोल हेंडलिंग प्लांट का लोकार्पण, इन तीनों ओपन कास्ट प्रोजेक्ट से रेपिड लोडिंग सिस्टम के माध्यम से लोडिंग टाइम में कमी आएगी और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम होगा।

• प्रधानमंत्री नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय अंतर्गत 907 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव जिले के 9 गांवो के 451 एकड़ क्षेत्र में निर्मित 100 मेगावाट एसी/155 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट का लोकार्पण

• सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत 1007 करोड़ रुपए की 2 प्रोजेक्ट अंबिकापुर से शिवनगर तक 52.40 किलोमीटर लंबाई की सड़क और बनारी से मसनियाकला तक 55.65 किलोमीटर लंबी सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग-49) का लोकार्पण किया। अंबिकापुर-शिवनगर सड़क मार्ग से रायपुर राजधानी और कोरबा ओद्योगिक क्षेत्र के साथ कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। इसी तरह बनारी-मसनियाकला सड़क मार्ग से बिलासपुर से रायगढ़/उड़ीसा बॉर्डर तक आवागमन में समय और इंधन की बचत होगी और क्षेत्र के गांवों का सामाजिक आर्थिक विकास होगा।

• ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत 15,799 करोड़ रूपए के 1 प्रोजेक्ट - लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट स्टेज-1 (2×800MW) का लोकार्पण किया। यह परियोजना छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में स्थित है। यह प्रोजेक्ट सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित है।

• रेल मंत्रालय अंतर्गत 583 करोड़ रूपए के 2 प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया, जिसमें 280 करोड़ रूपए की लागत से भिलाई में 50 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट और 303 करोड़ रूपए की लागत से बिलासपुर-उसलापुर फ्लाईओवर का लोकार्पण शामिल है। 50 मेगावाट सोलर प्लांट की स्थापना से रेलगाड़ियां चलाने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग होगा, हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

• बिलासपुर-उसलापुर फ्लाईओवर (10.5 किलोमीटर) 303 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। हावड़ा की ओर से आने वाली सभी ट्रेनें बिलासपुर यार्ड से बिना किसी क्रॉसमूवमेंट के और हावड़ा-मुंबई रूट पर आवाजाही में कोई बाधा उत्पन्न किए बिना सीधे कटनी की ओर जा सकेंगी। इससे बिलासपुर में यातायात का दबाव कम होगा। साथ ही ट्रेनों की गतिशीलता में वृद्धि होगी, कृषि उत्पादों की बाजार तक आसानी से पहुंच होगी। नवनिर्मित बिलासपुर-उसलापुर रेल ओवर रेल फ्लाई ओवर पर बिलासपुर से फ्रेट ट्रेन से होकर बिलासपुर से मालगाड़ी को हरी झंडी भी दिखाई।

• शिलान्यास कार्य

• प्रधानमंत्री ने ऊर्जा मंत्रालय अंतर्गत रायगढ़ में लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-2 (2×800MW) का शिलान्यास किया। यह परियोजना क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगी। यह परियोजना आस-पास के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास (जैसे पहुंच मार्ग, जल निकासी, संचार, परिवहन सुविधाएं इत्यादि) और सामाजिक अधोसंरचना (जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली) की उपलब्धता में और सुधार करेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### रमन सिंह की निजी स्थापना में हुई नियुक्ति, विक्रम सिसोदिया सचिव बने

**रायपुर।** विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की निजी स्थापना में नियुक्ति की गई है। डॉ रमन सिंह के सचिव के तौर पर विक्रम सिसोदिया, अरुण बिसेन को उप सचिव और सुमित उपाध्याय को निज सचिव के रूप में नियुक्ति दी गई है। शासकीय सेवानिवृति के बाद विक्रम सिसोदिया की नियुक्ति सिविल सेवा संविदा के तहत की गई है। 1 फरवरी 2024 से विधानसभा की निजी स्थापना में स्पीकर के सचिव के एच्छिक पद पर की गई नियुक्ति डॉ. रमन सिंह के अध्यक्ष पद पर रहने या आगामी आदेश तक जारी रहेगी। बता दें कि सिसोदिया और बिसेन 2008 से पहले भाजपा शासनकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के ओएसडी रह चुके हैं। अरुण बिसेन ने रायपुर आईआईएम से एमबीए और एनआईटी से बीटेक किया है।

### सिरपुर महोत्सव का हुआ आगाज पहली बार होगा गंगा आरती

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का आज आगाज हुआ। सिरपुर में पहली बार गंधेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट समिति और जिला प्रशासन की ओर से गंगा आरती का आयोजन किया गया। सिरपुर महोत्सव के तीनों दिन ख्याति प्राप्त और स्थानीय कलाकारों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। सांस्कृतिक संध्या प्रतिदिन दोपहर साढ़े तीन बजे से रात10 बजे तक चलेगा। सिरपुर महोत्सव में स्नान के लिए पहली बार कुंड बनाया गया है। गंगा आरती शाम साढ़े छह से सात बजे तक होगा। आरती में स्थानीय ग्रामीणों के अलावा मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को शामिल होने का आग्रह किया गया है। सिरपुर महोत्सव में इंडियन आइडल विजेता अभिजीत सावंत, छॉलीवुड गायक सुनील सोनी, आरू साहू, रंग सरोवर बारूका सहित लाइट एंड साउंड कार्यक्रम मुख्य आकर्षण होंगे।

### परीक्षा के भय से टेंशन फ्री रहेंगे स्टूडेंट्स, एक्सपर्ट देंगे टिप्स

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षाओं में अब छात्र-छात्राएं भय और तनाव मुक्त होंगे। विद्यार्थी तनाव संबंधित विषयों के विशेषज्ञों से टिप्स ले सकते हैं। इसके लिए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर छात्र-छात्राएं आसानी से विषय संबंधित विशेषज्ञों से बात कर सकते हैं और जानकारी ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के परीक्षा संबंधी भय और तनाव को दूर करने के लिए 22 फरवरी से 22 मार्च तक हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। हेल्पलाइन में स्थापित टोल फ्री नंबर +91-18002334363 पर छात्र-छात्राएं जुड़ सकते हैं। हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी व्यावसायिक परीक्षाओं के संदर्भ में परीक्षा शुरू होने के पहले यह हेल्पलाइन शुरू की गई है। विद्यार्थी सुबह 10 से शाम 5 बजे तक हेल्पलाइन में मंडल के टोल फ्री नंबर-18002334363 पर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

# स्टेट जीएसटी की ताबड़तोड़ कार्रवाई, राज्य भर में मारे 11 व्यापारियों के ठिकानों पर छापे

■ मौके पर सरेंडर कराए साढ़े सात करोड़ रुपए

**रायपुर।** स्टेट जीएसटी ने बीते तीन दिनों में रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, जांजगीर और मनेन्द्रगढ़ मे 11 व्यापारियों के ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान व्यापारियों से लगभग 7 करोड़ 60 लाख रुपए का टैक्स मौके पर ही सरेंडर करवाया गया।

प्रदेश भर में ई वे बिल की जांच के लिए टीमें गठित की गई हैं। केवल फरवरी माह में ही अभी तक इन टीमों द्वारा रायपुर संभाग में 33, बिलासपुर संभाग में 34 और दुर्ग संभाग में 9 गाड़ियों को ई वे बिल में अनियमितता पाये जाने पर जब्त किया गया है। इनमे से 28 गाड़ियों से लगभग 57 लाख रु की पेनाल्टी वसूल की जा चुकी है। शेष गाड़ियों पर कार्यवाही अभी जारी है। बोगस फ़र्मे बनाकर उनके नाम से माल परिवाहित करने वालों पर विभाग की विशेष नजर है।

जिन 11 व्यवसायियों के ठिकानों में स्टेट जीएसटी की कार्यवाही की गई, उनमें आरएआईएस पेट्रोलियम रायपुर, एएस माइनिंग मनेन्द्रगढ़, स्काइ अलोय एंड पावर लिमिटेड रायगढ़, केंडिड सिक्योरिटी रायपुर, पिलानिया स्टील दुर्ग, पिलानिया इंडस्ट्रीज दुर्ग, रेफ़ेक्स इंडस्ट्रीज़ जांजगीर, अग्रवाल स्टील एंड पाइप रायपुर, श्याम स्टील इंडस्ट्रीज़ रायपुर, ईश्वर इस्पात रायपुर एवं ईश्वर टीएमटी रायपुर।

आरएआईएस पेट्रोलियम रायपुर का ठेकेदारों को बिटुमिन सप्लाइ करने के साथ ही ट्रांसपोर्ट का भी व्यवसाय है। इनके द्वारा आईटीसी का बोगस क्लेम अपने रिटर्न मे किया गया था। इन्होने लगभग ढाई करोड़ रु. कम टैक्स जमा करना स्वीकार करते हुए मौके पर 1 करोड़ रु ही सरेंडर किए है।

रायपुर के ही केंडिड सिक्योरिटी सर्विसेस ने भी अपने रिटर्न में टैक्स नहीं जमा नहीं किया था विभाग के अधिकारियों द्वारा छापा मारे जाने पर इनके द्वारा लगभग 3.5 करोड़ रु का टैक्स नहीं जमा किया जाना

स्वीकार करते हुए रु. 1 करोड़ मौके पर ही जमा किया गया है।

एएस माइनिंग द्वारा परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर फर्म बनाकर सर्क्युलर ट्रेडिंग करते हुये टैक्स की देनदारी छिपाई जा रही थी। इनके मनेन्द्रगढ़ और रायपुर स्थित कार्यालयों में अधिकारियों द्वारा छापा मारे जाने पर इन्होंने मौके पर ही रु. 30 लाख जमा किए गया।

अग्रवाल स्टील एंड पाइप रायपुर पर भी अधिकारियों द्वारा छापा मार कर रु. 30 लाख जमा कराया गया। स्काइ अलोय एंड पावर लि। रायगढ़ में जांच पर स्टॉक में अंतर, टर्नओवर छिपाने और गलत आई टीसी लेना पाया गया । व्यवसायी द्वारा 60 लाख रु। टैक्स तुरंत जमा कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभी आगे दस्तावेजों की जांच से टैक्स की राशि और बढ़ेगी।

दुर्ग के पिलानिया इंडस्ट्रीज़ और पिलानिया स्टील्स पर भी छापेमारी की गई यहाँ भी टर्नओवर कम दिखा कर कम टैक्स जमा किए जाने की बात सामने आई है।

श्याम स्टील इंडस्ट्रीज़, ईश्वर इस्पात एवं ईश्वर टीएमटी द्वारा कच्चे में स्क्रैप की खरीदी कर सरिया बनाया जा रहा था, और जीएसटी की चोरी की जा रही थी। श्याम स्टील इंडस्ट्रीज़ द्वारा रु. 5 करोड़ का जीएसटी कम जमा करना स्वीकार करते हुए 3 करोड़ रु. टैक्स मौके पर ही जमा किया गया। इसी तरह ईश्वर इस्पात और ईश्वर टीएमटी द्वारा भी क्रमश: 46 लाख रु। और 1.25 करोड़ रु का टैक्स तत्काल जमा किया गया।

जांजगीर के अधिकारियों की टीम ने रेफ़ेक्स इंडस्ट्रीज़ के ऑफिस में भी जांच की है। यह फर्म पावर प्लांट से कोल एश की हैंडिलिंग के साथ साथ कोयले की ट्रेडिंग से भी जुड़ी हुई है। कंपनी का मुख्यालय चेन्नई में है, यहाँ केवल कर्मचारी काम देखते हैं। इसमे भी बड़ी कर चोरी पकड़े जाने की संभावना है।

इन सभी फर्मों पर अभी कार्यवाही जारी है, आगे और भी टैक्स जमा करवाया जाएगा। कर चोरी पकड़ने के लिए विभाग द्वारा एडवांस आई टी टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है। विभाग द्वारा न केवल आईटी टूल्स का प्रयोग कर चोरी पकड़ने में किया जा रहा है, बल्कि ई वे बिल की जांच से प्राप्त सूचनाओं, फील्ड से एकत्र की जा रही सूचनाओं के आधार पर भी कार्यवाही की जा रही है।

# छत्तीसगढ़ को ग्रीन एनर्जी अवॉर्ड से किया सम्मानित

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने प्रदेश को इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड 2024 से नवाजे जाने पर हर्ष जताया है। उन्होंने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) के अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री साय से मुलाकात कर उन्हें यह अवॉर्ड सौंपा।

मुख्यमंत्री को सीबीडीए के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर फिर उपलब्धि हासिल की है। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी नई दिल्ली की ओर से छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) को ''इंडिया ग्रीन एनर्जी

अवार्ड, 2024'' से नवाजा गया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर ''आउटस्टैण्डिंग कम्यूनिटी बेस्ड ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट'' श्रेणी में विजेता बना है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितीन गड़करी ने 21 फरवरी को नई दिल्ली में यह पुरस्कार सीबीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित सरकार को प्रदान किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली भी उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा विगत् एक दशक से भी अधिक समय से जैव ईंधन तथा जैव ऊर्जा के क्षेत्र में ग्रामीण किसानों और हितग्राहियों को जोड़कर उल्लेखनीय काम किया है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा बायोडीजल, बायो-एथेनॉल, बायोजेट एवीयेशन फ्यूल, जैव-सीएनजी, बायोगैस से बिजली उत्पादन और ग्रिड में समायोजन जैसे कई सफल अनुसंधान एवं विकास कार्य किया है।

# रायपुर के मोतीबाग में जल्द शुरू होगा स्मार्ट रीडिंग लाइब्रेरी

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के मोतीबाग स्थित रीडिंग लाइब्रेरी एक मार्च से शुरू होगा। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। इस रीडिंग लाइब्रेरी में 600 प्रतिभागी एक साथ बैठकर तैयारी कर सकेंगे। प्रतिभागी रीडिंग लाइब्रेरी की सदस्यता के लिए नालंदा परिसर शुल्क जमा कर सकते हैं। सदस्यता शुल्क जमा करने का अंतिम तारीख 27 फरवरी को है। इसके साथ ही नालंदा परिसर लाइब्रेरी और सेंट्रल लाइब्रेरी के लिए सदस्यता फॉर्म का वितरण किया जा रहा है। नालंदा परिसर के बाद मोतीबाग परिसर में शुरू होने वाले रीडिंग लाईब्रेरी से प्रतिभागियों को काफी मदद मिलेगी।

# महादेव सट्टा एप मामला : कोर्ट ने नीतीश दीवान को तीन दिन के लिए भेजा जेल

**रायपुर।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक के संचालन में शामिल नीतीश दीवान को आज ईडी ने विशेष न्यायालय रायपुर में पेश किया, जहां उसे तीन दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। नितिन को 26 फरवरी को वापस कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बता दें कि नीतीश दीवान पर महादेव ऐप की रिकवरी का लेखाजोखा समेत ऐप प्रमोटर सौरभ के बड़े भाई के साथ मिलकर बॉलीवुड के प्रतिष्ठित आइफा अवार्ड के दौरान ऐप के प्रमोशन करने समेत ऐप की दुबई में हुई सक्सेस पार्टी में शामिल फिल्मी सितारों को नगदी पैसे देने का भी है आरोप।। ईडी ने नीतीश दीवान के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। महादेव एप के संचालन में शामिल नीतीश दीवान को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने 15 फरवरी को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा कि नीतीश और उसका भाई महादेव बुक के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के बहुत ही करीबी है।

भिलाई के वैशाली नगर के रहने वाला नीतीश दीवान के सपने भी सौरभ चंद्राकर की तरह थे। नीतीश दुबई में महादेव ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर के साथ जुड़ गया। यही से दोनों साथ काम करने लगे। नीतीश महादेव ऐप की अर्निंग का लेखाजोखा देखता था। इसके बाद उसे सौरभ चंद्राकर ने अपने काले कारोबार के कोर कमेटी का मेंबर बनाया था।

**छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, पेंड्रारोड (छ.ग.)**

**ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**
eProcurement portel : https://eproc.cgstate.gov.in
**(प्रथम आमंत्रण)**

सिस्टम निविदा क्र. 153178/निविदा सूचना क्र. 11/वलेलि/2023-24, दिनांक 21.02.2024 निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 13.03.2024 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

**कार्य का नाम** : चुनाखोदरा जलाशय योजना के बांध का नवीनीकरण हेड स्लूस आर.सी.सी. चैनल, फ्लशबार एवं आर.डी. 0.00 मी. से 1470 मी. तक सी.सी. लाईनिंग कार्य, 05 नग डायरेक्ट आउटलेट का निर्माण कार्य एवं वेस्ट वियर पर जेकेटिंग का कार्य

**अनुमानित लागत** : रूपये 238.42 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.02.2024 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

**नोट:** 1. निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित दर 01.08.2022) के अनुसार है।

**कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड (छ.ग.)**
**कृते-मुख्य अभियंता, हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)**

जी-08025/8

Annexure-ii

**कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा, जिला-सुकमा (छग)**

**// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //**

क्रमांक 1251/NIT-21/व.ले.लि./ग्रा.यां. सेवा/2023-24, सुकमा दिनांक- 23/02/2024

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

| कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रु.लाख में) |
|---|---|
| 1 | 2 |
| 5 नग, आगनबाडी भवन निर्माण कार्य वि.ख. कोंटा | 8.90 (प्रत्येक कार्य हेतु पृथक पृथक) |
| प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य गडगडपारा एवं पेरमापारा (गोण्डेरास), वि.ख.-सुकमा । | 15.07 (प्रत्येक कार्य हेतु पृथक पृथक) |

**निविदा डाऊनलोड, डी.डी. बनाने की अंतिम तिथि- 01.03.2024**

2. उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://res.cg.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।

**कार्यपालन अभियन्ता**
**ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा**
**जिला - सुकमा (छग)**

जी-08072/5

# कांग्रेस के साथ गठबंधन कर केजरीवाल सबसे बड़े पलटूराम

**नीरज कुमार दुबे**

इंडिया गठबंधन के दो घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी मगर पंजाब में दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यह कुछ उसी तरह है जैसे बंगाल और त्रिपुरा में तो कांग्रेस और वामपंथी दल साथ-साथ चुनाव लड़ते हैं मगर केरल में एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंकते हैं। देखा जाये तो ऐसे गठबंधन किसी विचारधारा के मेल के चलते नहीं बल्कि सत्ता हासिल करने के खेल के चलते बनते हैं। इसलिए जनता को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि जो एक राज्य में एक दूसरे के खिलाफ हैं उनका दूसरे राज्य में एक मंच पर दिखना धोखे के समान है। जो एक राज्य में एक दूसरे की नीतियों के आलोचक हैं वह दूसरे राज्य में मिलकर कभी जनता का भला नहीं कर सकते। आप भारत में ही नहीं किसी भी देश का राजनीतिक इतिहास उठा कर देख लीजिये %एक जगह लड़ाई और दूसरी जगह सगाई% का फॉर्मूला कभी चुनावी जीत भी हासिल नहीं कर पाया और जनता का भला भी नहीं कर पाया। ऐसे गठबंधन हमेशा सिर्फ चुनावों के समय बनते हैं और उसके बाद एक दूसरे पर आरोप लगा कर टूट जाते हैं। विश्वास ना हो तो जरा इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच गहरे तक समाये अविश्वास को देखिये। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद गुजरात, दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान किया गया। इस दौरान खास बात यह रही कि दोनों जगह गठबंधन का ऐलान बड़े नेताओं से नहीं बल्कि पार्टियों की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेताओं से कराया गया। यही नहीं, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान करने के लिए जो प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी उसका दोनों ही पार्टियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव प्रसारण भी नहीं किया जबकि दोनों ही पार्टियां हर छोटी-बड़ी प्रेस कांफ्रेंस का लाइव प्रसारण लिंक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करती हैं। देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना भारतीय राजनीति का एक बड़ा और महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले तक एक क्षेत्रीय दल थी। इस लिहाज से देखें तो यह एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय दल है जिसने कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को सर्वाधिक राजनीतिक नुकसान पहुँचाया। लेकिन कांग्रेस की मजबूरी देखिये कि उसने उसी आम आदमी पार्टी के साथ समझौता कर लिया। देखा जाये तो इस गठबंधन से अरविंद केजरीवाल की राजनीति और नीयत पर भी सवाल उठे हैं। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़कर पहली जीत हासिल की थी। लेकिन पहली बार में ही जब उन्हें सरकार बनाने में सहयोग की जरूरत पड़ी तो कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली थी। बाद में जब 49 दिनों की सरकार चलाकर केजरीवाल ने इस्तीफा दिया था तब जनता से माफी मांगते हुए कहा था कि मैंने गलती की और अब आगे कभी कांग्रेस का समर्थन नहीं लूंगा। लेकिन अब केजरीवाल कांग्रेस के साथ फिर चले गये। इस लिहाज से देखें तो नीतीश कुमार नहीं बल्कि केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम हैं। हम आपको याद दिला दें कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के दौरान केजरीवाल रोजाना कांग्रेस और भाजपा के तमाम नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया करते थे और उन्हें जेल भेजने की मांग किया करते थे।

# यूपी में 80 सीट जीतने का शोर

**समीर चौगांवकर**

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में राहुल गांधी और विपक्ष पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि जिनका खुद का होश ठिकाने नहीं है वह मेरे काशी के बच्चों को नसेड़ी बता रहे हैं। मोदी ने साफ कहा कि उत्तरप्रदेश की 80 सीटें एनडीए जीतेगा और विपक्ष को जमानत बचाना भी मुश्किल होगा। भाजपा की उम्मीदों के विपरीत जब सपा और कांग्रेस का गठबंधन धरातल पर उतर गया और राहुल के अमेठी से और प्रियंका के रायबरेली से लड़ने की गंभीर खबरें बाहर आने लगी तो प्रधानमंत्री मोदी का राहुल पर हमला करना और मेरे उत्तर प्रदेश और मेरे काशी का जिक्र करना जरूरी हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी यह बताना चाहते थे कि वह उत्तर प्रदेश से सांसद है जबकि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के लिए प्रवासी नेता हैं क्योंकि अब वह उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व नही करते हैं। मोदी बार-बार मेरे उत्तर प्रदेश का जिक्र कर खुद को स्थानीय और राहुल को बाहरी बताने की कोशिश करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीतने का दावा करते रहे लेकिन मोदी और पूरी भाजपा भी इस बात को समझती है कि सपा और कांग्रेस के साथ आने से मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर भाजपा के लिए चुनौती तय है। भाजपा राम मंदिर से रिचार्ज है लेकिन जातिगत समीकरणों को साधने के लिए भी पूरी ताकत लगा रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने लिए बेहद मुश्किल सीटों में मैनपुरी, बदायूं, संभल, आजमगढ़, गाजीपुर, अमरोहा, मुरादाबाद और फिरोजाबाद को देख रही है।

संभल, गाजीपुर, अमरोहा और मुरादाबाद मुस्लिम बाहुल्य होने के कारण और मैनपुरी, बदायूं, आजमगढ़ और फिरोजाबाद सपा का गढ़ होने के कारण इन सीटों को भाजपा अपने लिए चुनौती मान रही है। खबर है कि भाजपा ने इन चुनौतीपूर्ण सीटों पर अखिलेश और कांग्रेस गठबंधन को पटखनी देने के लिए मायावती से पर्दे के पीछे दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भाजपा चाहती है कि मायावती मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर दमदार मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर और अपने कोर वोटर को सपा कांग्रेस से दूर रखकर वोटों का बंटवारा करने में महती भूमिका निभाए। इससे मुश्किल सीटों पर भाजपा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो सकेगी।

भाजपा के सूत्र बताते हैं कि भाजपा ने इसके एवज में मायावती के भतीजे आकाश आनंद को राज्यसभा भेजने या किसी एक मुस्लिम बाहुल्य सीट से उसके चुनाव लड़ने पर समर्थन देने का भरोसा दिया है। मायावती भाजपा के प्रस्ताव पर कितना अमल करती है यह आने वाला समय बताएगा, लेकिन यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी हर हाल में उत्तर प्रदेश में 78 प्लस का टारगेट लेकर चल रही है। भाजपा उत्तर प्रदेश में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों तक मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार की योजनाओं के लाभार्थी वर्ग से सीधे संवाद करने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा जानती है कि सिर्फ राम के नाम पर उत्तर प्रदेश में बेड़ा पार नहीं होगा। सबको जोड़ने के लिए राम का नाम और मोदी के काम का कॉकटेल तैयार करना होगा जिससे मुस्लिम वर्ग को छोड़कर सभी मतदाताओं को एक छतरी के नीचे लाया जा सके। उत्तर प्रदेश में भाजपा मार्च में बौद्ध सम्मेलन आयोजित करेगी। इसमें भाजपा की मदद अखिल भारतीय भिक्खु महासंघ करने वाला है। भाजपा दलित समाज, अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ अति पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने के लिए इनसे जुड़े संगठन को और मोदी की योजनाओं के साथ इनको भाजपा से जोड़ना चाहती है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपने अनुषांगिक संगठनों को हर मतदाता से जुड़ने का जिम्मा सौंपा है। युवा मोर्चा हर जाति के युवा से संपर्क करेगा तो महिला मोर्चा हर जाति की महिला से संपर्क करेगी। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति मोर्चा भी हर घर दस्तक देगा।

प्रधानमंत्री मोदी का पूरा फोकस दलित, पिछड़ों और अति पिछड़ों पर है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए पिछड़ा वर्ग कितना महत्व रखता है इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि मोदी सरकार ने इसी साल की शुरूआत में कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के नेतृत्व में भारत सरकार के सचिवों की एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है जिसमें गृह मंत्रालय, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और कार्मिक मंत्रालय के सचिव भी शामिल हैं। यह समिति अति पिछड़ी जातियों की स्थिति का आंकलन करेगी और उसके बाद मोदी सरकार इनके लिए रिजर्वेशन कोटा विदिन कोटा भी दे सकती है। भाजपा ने उन पिछड़ी जातियो को भी इस लोकसभा चुनाव में लक्षित करने की योजना बनाई है जिनकी संख्या कम है लेकिन जो किसी गैर भाजपा पार्टी के प्रतिबद्ध वोट बैंक के तौर पर नहीं जानी जाती। इन जातियों का राजनैतिक लाभ लेने के लिए मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की थी जिसका लाभ लेने के लिए उत्तर प्रदेश से ही अब तक 75 लाख के करीब आवेदन आ चुके हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी मजबूत स्थिति को अजेय करने के लिए भाजपा ने जयंत चौधरी के साथ गठबंधन कर लिया है। पश्चिमी यूपी के 26 जिलों में फैले जाट मतदाताओं पर पकड़ मजबूत करने के लिए जयंत चौधरी जरूरी थे। उत्तर प्रदेश की कुल पिछड़ी जातियों में जाटों का प्रतिशत 3.60 है। लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह कमीश्नरी में जाट 18 से 20 प्रतिशत हैं। अब राष्ट्रीय लोकदल के एनडीए में शामिल होने के बाद भाजपा का आंकलन है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में न केवल जाट मतदाता भाजपा रालोद के पक्ष में एकजुट होगा बल्कि कुछ इलाकों में बना जाट मुस्लिम गठजोड़ भी बिखर जाएगा।

भाजपा उत्तर प्रदेश में छोटे दलों को साधने के साथ साथ अपने ही कई सांसदों के टिकट काटने का मन बना चुकी है। वरूण गांधी का पीलीभीत और उनकी मां मेनका गांधी का सुल्तानपुर से टिकट खतरे में है। इसके अलावा इलाहाबाद की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के साथ 14 अन्य सांसदों के टिकट भी कटना लगभग तय है। उत्तर प्रदेश संगठन को अमित शाह ने हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर की रणनीति पर काम करने को कहा है। अमित शाह खुद उत्तर प्रदेश संगठन की तैयारी को मॉनीटर कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश के पूर्व संगठन महामंत्री सुनील बंसल अमित शाह की पूरी मदद कर रहे हैं। 370 सीटों का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा उत्तर प्रदेश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसी कारण दिल्ली में 18 फरवरी को हुई भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह को उत्तर प्रदेश पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

उत्तर प्रदेश में निश्चित ही भाजपा मजबूत स्थिति में है लेकिन प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का दावा इतना भी सरल नहीं है। उत्तर प्रदेश में जिस तरीके से मोदी और शाह रणनीति तय कर रहे हैं, जातिगत समीकरण साधकर विपक्ष को ध्वस्त करने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं, उसके मुकाबले विपक्ष अपनी कुछ सीटों को बचाने के लिए जद्दोजहद करते हुए ही दिख रहा है। कांग्रेस अपनी पूरी उर्जा रायबरेली और अमेठी के लिए लगा रही है तो वहीं अखिलेश यादव अपनी पूरी ताकत यादव और मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर झोंक रहे हैं। मोदी और शाह इस बात को जानते हैं कि भारत की राजनीति में आप कितना भी विकास का गुब्बारा फुला लो, वह तब तक उंचा नहीं उठेगा जब तक उसमें जाति की गैस न भरी हो। चुनावी गणित विकास के आंकड़ों से नहीं जातिगत समीकरणों से सधता है।

नेता जानते हैं कि सत्ता में पहुंचकर आर्थिक प्रगति और विकास का माल भी वोट की मंडी में जाति के सामने दम तोड़ देता है तो जाति को सामने कर चुनाव क्यों न लड़ा जाए? इसलिए प्रधानमंत्री मोदी को लोकसभा में कहना पड़ता है कि विपक्ष को उनके जैसा ओबीसी नहीं दिखता और राहुल गांधी को कहना पड़ता है कि मोदी जन्म से ओबीसी नहीं है।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# महोपनिषद् (भाग-15)

**गतांक से आगे...**

स्त्री-पुत्रादि समस्त स्वजन सम्बन्धी मानो उग्र आपदाओं के घर हैं। हे मुनीश्वर! इस जगत् में उदारता की प्रतिमूर्ति, अत्यन्त कोमलांगी ये श्रीलक्ष्मी जी भी परम मोह को उत्पन्न करने वाली हैं। निश्चय ही इनके द्वारा जीव को आनन्द नहीं मिल सकता। जिस प्रकार पल्लव के अग्रभाग में जल कणिका बूँदरूप में लटकती हैं, वह क्षणिक है। उसी प्रकार मनुष्य की आयु भी जल की बूंद के सदृश क्षणभंगुर है। इस नाशवान् शरीर को असमय ही छोड़कर उन्मत्त की भाँति मुझे प्रस्थान करना ही पड़ेगा। जिनका चित्त विषय-वासना रूपी सर्प के सङ्ग से जर्जर हो गया है तथा जिन्हें प्रौढ़ आत्मिक ज्ञान नहीं प्राप्त हुआ है, उनका जीवन कष्ट का ही हेतु बना है।

वायु का लपेटना, आकाश को खण्ड-खण्ड करना एवं जल की लहरों का गुन्थन भले ही सम्भव हो जाए, किन्तु जीवन में आस्था एवं विश्वास रखना सम्भव नहीं हो पाता। जिसके द्वारा प्राप्त करने योग्य वस्तु को (सम्यक् रूप से) प्राप्त कर लिया जाता है, जिसके कारण शोक न करना पड़े और जिसमें परम शान्ति की उपलब्धि हो जाए, वही तो वास्तविक जीवन कहलाता है। यों तो वृक्ष, मृग एवं पक्षी भी जीवन धारण किये रहते हैं; किन्तु यथार्थ में वही जीवित है, जिसका मन निरन्तर आत्मचिन्तन में लीन रहता है। इस नश्वर जगत् में उत्पन्न हुए उन्हीं प्राणियों का जीवन उत्कृष्ट है, जिन्हें पुनः आवागमन के चक्र में नहीं पड़ना पड़ता है। इससे भिन्न तो जरावस्था को प्राप्त गधे के सदृश हैं, जो कि अशक्त होते हुए भी भार ढोने के लिए विवश हैं। ज्ञानवान् मनुष्य के लिए शास्त्र, भार ढोने के सदृश है। राग-द्वेष में लिप्त मनुष्य के लिए ज्ञान भारस्वरूप है, अशान्त मनुष्य का मन तो स्वयं में ही भारस्वरूप होता है तथा जो आत्मज्ञानी नहीं हैं, उनके लिए यह शरीर भी बोझा ढोने के सदृश ही है।

क्रमशः ...

# बलराज मधोक

**दीवान सुशील पुरी**

बलराज मधोक संघ परिवार के एक मात्र ऐसे लीडर थे ,जिनको पूरी कश्मीर की जानकारी थी। बलराज मधोक का जन्म 25 फरवरी 1920 को स्कर्दू नगर में हुआ । उनका बचपन स्कर्दू, लेह तथा कश्मीर घाटी के श्रीनगर और बारामुला में बीता।

अक्टूबर, 1947 में कबालियों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया था। महाराजा हरि सिंह ने इस संकट की घड़ी में श्रीनगर की सुरक्षा की जिम्मेदारी मधोक को सौंपी थी, क्योकि मधोक उस समय राज्य के संघ प्रमुख थे। उन्होंने भारतीय सेना के आने तक संघ के लगभग 200 स्वयंसेवकों को महाराजा की मदद राइफल प्रशिक्षण देकर श्रीनगर की सुरक्षा का दायित्व बखूबी निभाया था। जब शेख अब्दुल्ला को मधोक की गतिविधियों की जानकारी मिली तो उसने ना केवल उन्हें अपितु उनके समस्त परिवार को भी राज्य से निष्कासित कर दिया। मधोक का कार्यक्षेत्र दिल्ली और संपूर्ण भारत बन गया।

21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना की घोषणा की गई डॉक्टर मुखर्जी को संस्थापक व अध्यक्ष मधोक को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया। फरवरी 1952 के आम चुनाव में जनसंघ के 80 उम्मीदवार खड़े किए जिसमें कुल 3 विजय हुए द्य उनमें से एक डॉक्टर मुखर्जी, दूसरे उनके बंगाल के साथी बंधोपाध्याय एवं तीसरे उमा शंकर त्रिवेदी थे। मधोक 1965 से 1967 तक जन संघ के अध्यक्ष रहे। 1967 के आम चुनाव से पहले क्षेत्रीय दलों से गठजोड़ कर लोकसभा में 100 सीटें जीती। बलराज मधोक सांसद के रूप में 1960 में नई दिल्ली और 1967 में दक्षिणी दिल्ली से निर्वाचित हुए।

बलराज मधोक को अंग्रेजी और हिंदी में काफी कमांड था , अपनी भाषण शैली की वजह से संसद में छा गए थे। पूर्व राष्ट्रपति डॉ नीलम संजीव रेड्डी(जब लोकसभा में स्पीकर थे) ने कहा कि मधोक अकेले ही 350 सांसद सदस्यों पर भारी है। सरकार द्वारा गोवा, दमन-दीव के प्रश्न पर कायरता दिखाने पर मधोक ने जवाहर लाल नेहरू को ललकार कर कहा था कि आप भारत के प्रधानमंत्री रहने योग्य नहीं। आप अपने विचारों को तिलांजलि दे दीजिये या कुर्सी को।

1967 में लोकसभा में श्री राम जन्मभूमि, श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं काशी विश्वनाथ मंदिर पर मुस्लिम शासकों द्वारा वास्तविक रूप नष्ट कर इनके ऊपर व समीप मस्जिदें खड़ी कर ऐसा प्रश्न किया था, जिसका कांग्रेस मंत्री संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए थे। उपर्युक्त जगहों पर मधोक के साथ मुझे (सुशील पुरी)भी कई बार जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दीनदयाल के निधन के बाद मधोक की राजनीति में उथल-पुथल आ गया था। एक दिन उनको जनसंघ कार्यालय में बुलाया गया कि प्रत्याशियों का चयन करना है, जबकि चुनाव नहीं थे। लोगों ने कहा दीनदयाल के निधन के बाद जनता आपको ही जनसंघ का नेता मानती है। इसलिए आप जनसंघ के सदस्यता से त्यागपत्र दे दें। इस बात पर मधोक ने कहा कि-मैं जनसंघ का संस्थापपक सदस्य हूँ, मैं त्यागपत्र नहीं दूँगा, अगर आपलोग देना चाहते हैं तो दे दें। इस पर सब हक्के-बक्के रह गए।

# जमीन ही नहीं दुनिया के दिमाग पर भी कब्जा चाहता है चीन

**अभिनय आकाश**

साल था 2018 के अगस्त के महीने में अमेरिका के लांस वेगास में एक खास मेले का आयोजन किया गया था। जिसमें साइबर एक्सपर्ट से लेकर हर उम्र के लोग हैकिंग का हुनर दिखाने के लिए उपस्थित हुए थे। जिस वक्त हैकर्स का ये मेला लांस वेगास में लगा उसी वक्त एक हैकर ने भारतीय बैंक पर साइबर अटैक कर करीब 3 करोड़ डॉलर की रकम उड़ा ली। वैसे देखा जाए तो दुनियाभर में सरकारी वेबसाइट से लेकर हैकिंग कंपनियों और आम लोगों पर साइबर अटैक होते रहते हैं। कई देशों ने हैकिंग के लिए अपनी साइबर आर्मी बना रखी है और समय-समय पर अपने विरोधी देशों को निशाना बनाते रहते हैं। कोल्ड वार के वक्त अमेरिका और सोवियत संघ के बीच में जासूसी का दौर देखने को मिला था। लेकिन वर्तमना दौर में जासूसी के तरीके बदल रहे हैं। पहले किसी भी देश को दूसरे देश की जासूसी कराने के लिए आदमी भेजने पड़ते थे। आज आप साइबर सिस्टम के अंदर सॉफ्टवेयर, मैलवेयर डालकर वहां से डेटा चुराने की कोशिश करते हैं। चीन की थ्री वॉर फेयर स्टेटजी है। जिसका प्रयोग वो साल में दो बार करता है।

पहला- साइकोलॉजिकल वॉर फेयर, दूसरा मीडिया वॉर फेयर और तीसरा-लीगल वॉर फेयर। ये तीन तरह की लड़ाई चीन के द्वारा टैंक, सोल्जर और आर्टलर्री के अलावा लड़ी जाती है। अब खबर आई है कि एक चीनी साइबर सिक्योरिटी कंपनी का बड़ी मात्रा में डेटा ऑनलाइन लीक हो गया है। ये एक तरह से सिद्ध करता है कि चीन का नेटवर्क कितना बड़ा हो चुका है। वो किसी भी देश में किसी भी सरकार के बारे में खुफिया जानकारी जुटाना हो तो इस खेल में वो माहिर हो गया है। ऐसे में हमने इस पर रिसर्च कर आपके लिए एक पूरा विश्लेषण तैयार किया है जिसके जरिए बताएंगे कि पूरा मामला क्या है, लीक हुए डेटा में क्या है और किसे निशाना बनाता है? आई-सून क्या है और क्या काम है इसका? कुल मिलाकर कहे तो चालबाज चीन के हाईब्रिड

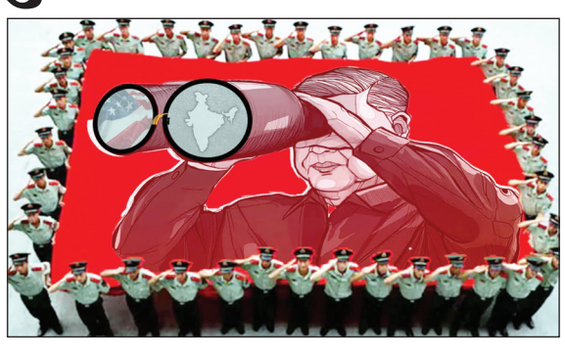

वॉरफेयर का पूरा कच्चा चिट्ठा आपके सामने लेकर आए हैं। आईसून नाम की चीन की एक साइबर सिक्योरिटी फार्म है। इस डेटा लीक में ये जानकारी सामने आई है कि कैसे चीनी सरकार इस कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट देतीथी। विदेशी सरकारों यानी अमेरिका, भारत इत्यादि देशों के डेटा को एकट्ठा करने का ठेका चीन की तरह से दिया जाता था। वहां के साइबर अटैक के जरिए डेटा एकट्ठा कर उसे बीजिंग के साथ साझा करने का अनुंबध था। आई सून का थोड़ा बैकग्राउंड भी आपको बता देते हैं। ये एक शंघाई की कंपनी है। लेकिन आगे जो बताने जा रहा हूं वो थोड़ा और भी चिंताजनक है। कहा जा रहा है कि चीन की सरकार इस तरह के ठेके कई सारी कंपनियों को देती है और आई सून तो महज सिंगल प्लेयर है, जिसके डेटा लीक होने से उसके बारे में लोगों को पता चला है।

GitHub नामक कोड शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर बहुत सारी जानकारी पोस्ट की गई थी। शेयर किए गए डेटा में ईमेल, इमेज, चैट और दस्तावेज़ों का भंडार शामिल है। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले आठ सालों में अलग-अलग देशों की सराकारों भारत, हांगकांग, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, ताइवान और मलेशिया सहित कम से कम 20 विदेशी सरकारों और क्षेत्रों के अंदर अपने टारगेट को निशाना बनाया हैं। इन दस्तावेज़ों में वह वास्तविक जानकारी नहीं है जिसे सिक्योर रखा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक स्प्रेडशीट शेयर किया गया था जिसमें 80 विदेशी इंस्ट्यीट्यूशन को निशाना बनाया है। इसमें भारत से 95.2 गीगाबाइट इमीग्रेशन डेटा को चुराया गया है। दक्षिण कोरिया की टेलीकॉम प्रोवाइडर एलजी यू प्लस के कॉल लॉग्स का पूरा डेटा जिसका साइज 3 टेराबाइट है वो भी चुरा लिया गया है। इसके अलावा ताइवान के ऊपर चीन की तरफ से लगातार प्रहार किया जाता रहा है। ताइवान के रोड मैपिंग का करीब 450 जीबी का डेटा चीन की सरकार के पास है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि चीन कल को ताइवान के ऊपर कुछ भी कर सकता है, जिसके लिए वो डेटा एकट्ठा कर रहा है।

चीन में भी समय-समय पर आवाजें उठती रही हैं। जीरो कोविड पॉलिसी हो, हांगकांग का प्रदर्शन, शिनजियांग में उईगर मुस्लिमों को टारगेट करना हो। इन मामलों पर भी नजर रखना। उनके रिकॉर्ड को भी अपने पास रखने के कदम भी चीन की सरकार की तरफ से उठाए गए हैं।

गूगल के मैंडिएंट साइबर सुरक्षा प्रभाग के विश्लेषक जॉन हल्टक्विस्ट का मानना है कि लीक हुआ डेटा आई सून की प्रतिद्वंद्वी कंपनी की तरफ से कंपटीशन के लिए खुफिया फॉर्म को बदनाम करने के लिए लीक किया होगा। वैसे तो इसके बारे में सभी को पता था कि चीन इस तरह की चीजे करता रहता है। लेकिन अब वो एक प्रूफ के तौर पर दुनिया के सामने आ चुका है। इसमें जो बताया गया है कि आईसून कंपनी को चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया जाता है। इसके अलावा पीएलए भी इस कंपनी को स्पांसर करती है। इनसे डेटा एकट्ठा करती है।

डेटा लीक से हमें ये तो पता लग गया कि चीन के पास आज की तारीख में बहुत सारी तकनीक है। एक्स में टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन लाया गया है। जिससे आपके एकाउंट को प्रोटेक्ट किया जा सके। एलन मस्क ब्लू टिक भी इसलिए बेच रहे हैं। आप भले ही उसे पासवर्ड या टू स्टेप से प्रोटेक्ट करके रखो। लेकिन चीन के पास इतनी क्षमता है कि वो इन एकाउंट को भी हैक कर सकती है। आपको एक बात और बता दें कि चीन के अंदर एक्स और फेसबुक जैसी चीजों पर पाबंदी है। चीन के लोग लोकल चाइनीज सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। वो तो पहले से ही चाइनीज सरकार के अंदर है। लेकिन इसके साथ ही चीन एक्स और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्मों को भी ट्रैक करता है। जिससे वो विदेशों में भी अपना प्रभाव फैला सके। अगर उसके पास डेटा होगा और लोगों के बारे में जानकारी होगी तो वो अपने एजेंडा को सामने रख सकता है और कहे तो प्रो चाइना इमेज को बनाने की कोशिश करता है। कहा जा रहा है कि आई-सून और चीनी पुलिस लीक के पीछे के कारण की तलाश कर रहे हैं।

फिलहाल तो इस कंपनी ने अपने वेबसाइट को हटा दिया है। लेकिन पहले जो इनकी वेबसाइट थी उस पर बताया गया था कि वो साइबर स्पेस सिक्योरिटी में पूर्ण रूप से शामिल है। वो इस फील्ड के अंदर है। इसके अलावा सार्वजनिक नेटवर्क सुरक्षा और डिजिटल इंटेलिजेंस समाधान सेवा प्रदाता के रूप में खुद को बताया है। 2010 में इसे बनाया गया था और इसका हेडक्वार्टर शंघाई में है। इसके अन्य ब्रॉन्च और ऑफिस बीजिंग व कई चीनी शहरों में देखने को मिल जाएंगे। हाल के दिनों में आई-सून की वेबसाइट पर देखने को मिला था कि इनके क्लाइंट चीनी सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय, 11 प्रांतीय स्तर के सुरक्षा ब्यूरो और लगभग 40 नगरपालिका सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के लोग थे। इससे साफ पता चलता है कि चीन की सरकार ने इन्हें लंबे समय से ये ठेका दिया हुआ था कि आप हमें अलग-अलग जानकारी प्रदान करें। कंपनी को उइगर मुस्लिम आबादी पर नज़र रखने के लिए शिनजियांग पुलिस ने भी एक ठेका दिया था। बता दें कि इस जातीय अल्पसंख्यक समूह को गतिशीलता में कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है, यह राज्य की निगरानी का लक्ष्य रहा है और मानवाधिकारों के उल्लंघन का शिकार रहा है।

## आज का इतिहास

1879 अमेरिकी कांग्रेस ने पहला टिम्बरलैंड संरक्षण अधिनियम पारित किया।
1901 अमेरिकी स्टील, पहले अरब-डॉलर निगम और एक बार स्टील के सबसे बड़े उत्पादक, उद्योगपति जे.पी. मॉर्गन द्वारा शामिल किया गया था।
1933 यूएसएस रेंजर, विमान वाहक के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले जहाज नाविकोन को लॉन्च किया गया था।
1945 दूसरे विश्व युद्ध के दौरान टर्की ने जर्मनी पर युद्ध की घोषणा की।
1948 हाल की अशांति में गृहयुद्ध और सोवियत हस्तक्षेप के डर से चेकोस्लोवाकियन के राष्ट्रपति एड्वर्ड बेनेश ने कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में नियंत्रण किया।
1951 द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1943 से स्थगित होने के बाद, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में पहला पैन अमेरिकी खेल खोला गया।
1952 नार्वे की राजधानी ओस्लो में छठे शीतकालीन ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
1956 20 वीं पार्टी कांग्रेस के व्यक्तित्व के व्यक्तित्व और उसके परिणाम पर अपने भाषण में, सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव ने अपने पूर्ववर्ती जोसेफ स्टालिन के व्यक्तित्व पंथ और तानाशाही की निंदा की।
1975 सऊदी अरब के तत्कालीन शासक शाह फैसल की उनके ही भतीजे राजकुमार फैसल बिन मुसाद ने हत्या कर दी थी।
1986 पीपुल्स पावर रेवोल्यूशन: फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने 20 साल के शासन के बाद देश की यात्रा की; कोराजोन एक्विनो फिलीपींस की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं।
1986 फिलीपींस में, अहिंसक पीपुल्स पावर ने देश की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में फर्डिनेंड मार्कोस को हटाने और कोराजोन एक्विनो की गति को हटाने के साथ क्रांति की।
1992 नागोर्नो-करबाख युद्ध-अर्मेनियाई सशस्त्र बलों ने अज़रबैजान के नागोर्नो-करबाखग्रियन के खोजाली शहर से 613 जातीय अजरबैजान नागरिकों को मार डाला।
1994 इजरायली चिकित्सक बरूच गोल्डस्टीन ने मुस्लिम अरबों पर पैट्रिआर्कस की हेब्रोन की गुफा में मस्जिद में आग लगा दी, जिसमें 29 लोग मारे गए और 125 अन्य घायल हो गए।
1996 इजरायल में दो आत्मघाती बमों से 25 लोगो की मौत हो गयी और 80 घायल, हमास ने हमले की जिम्मेदारी ली।
1996 52 प्रदर्शनों के बाद न्यू यॉर्क सिटी के कसौटी रंगमंच पर पिता का एक करीबी है।

# पीएम मोदी ने क्यों कहा, 'यह मूवी देखो, सही सूचना मिलेगी'

**विष्णु शर्मा**

हाल ही में प्रधानमंत्री ने एक मूवी को देखने की लोगों को सलाह दी, जो आज ही रिलीज हुई है। ये सलाह देने के लिए उन्होंने जगह भी सही चुनी थी। जम्मू कश्मीर में सभा थी और मूवी का नाम है आर्टिकल 370। मोदी ने कहा, मैंने सुना टीवी पर कि एक फिल्म आर्टिकल 370 पर आ रही है, अच्छा है, अब लोगों को सही सूचना मिलेगी। ऐसे में ये लगने लगा कि पूरी मीडिया, संसद की बहसें, सुप्रीम कोर्ट में इस केस की कार्यवाही और बीजेपी नेताओं के बयान आदि अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर पब्लिक को ऐसा क्या नहीं बता पाए जो ये मूवी बताएगी? लोगों में दिलचस्पी जागना स्वभाविक है।

इस मूवी के निर्माता आदित्य धर पर वाकई में बड़ी जिम्मेदारी थी। पत्नी यामी गौतम को उरी के बाद लगातार दूसरी बड़ी फिल्म में कामयाबी दिलानी थी और चूंकि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पीएम मोदी के दूसरी बड़े फैसले पर ये मूवी बनी थी, तो उनकी प्रतिक्रिया की भी चिंता थी। ये चिंता तब और बढ़ गई थी जब मोदी ने रिलीज से पहले ही ये बयान भी दे दिया। हालांकि इससे उनका फायदा ही होगा, क्योंकि पीएम किसी मूवी को देखने की सलाह अगर दे रहे हैं, तो समझिए कि हजारों टिकट तो ऐसे ही बिक जाएंगे। फिल्म के प्रिव्यू के बाद पीएम मोदी के इस बयान का मतलब भी समझ आया। वाकई में इस मूवी की खूबसूरती थी कि जो बात संसद में, टीवी डिबेट्स में और सुप्रीम कोर्ट में चर्चा के बावजूद आम आदमी को उतना समझ नहीं आई, उसको आसानी से इस मूवी में समझा दिया गया है। कम समय में बड़े परदे पर टू द प्वॉइंट तरीके से बात समझ भी जल्दी आती है।

ये मूवी ना केवल आर्टिकल 370 लगाने की वजह को एक मिनट के अजय देवगन के सूत्रधार वाले वॉयस

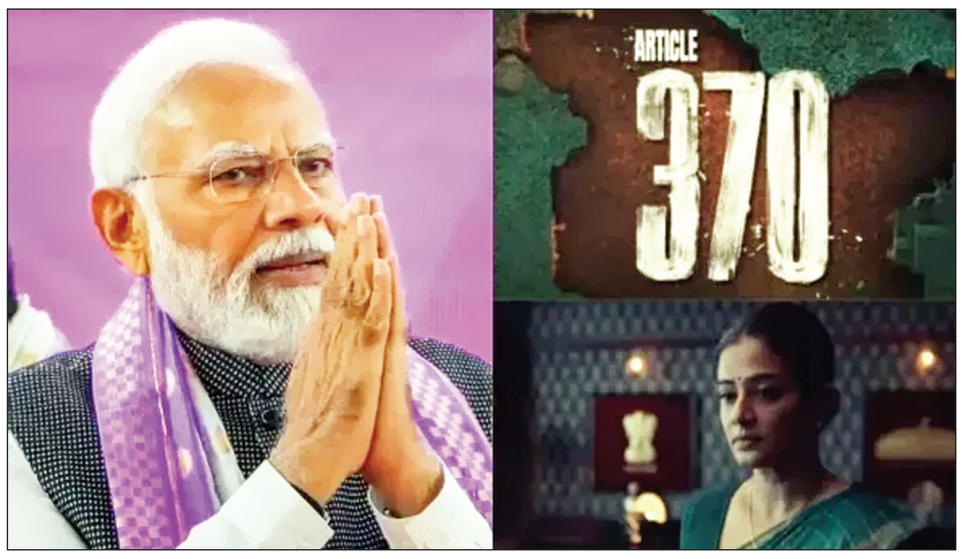


ओवर से समझा देती है, बल्कि आर्टिकल 370 ना हटने के पीछे क्या क्या वजहें रही हैं, उनको भी कई दृश्यों और डायलॉग्स के जरिए आम दर्शकों को स्पष्ट कर देती है। साथ ही ये मूवी यह भी बताती है कि धारा 370 हटाने जैसा नामुमकिन सा लगने वाला काम कैसे संविधान की ही एक दूसरी धारा 367 के जरिए हटाना मुमकिन हुआ।

फिल्म की कहानी है एक ऐसी लड़की जूनी हक्सर (यामी गौतम धर) की जो कश्मीर में आईडी (आईबी) ऑफिसर है और अपने सीनियर (राज अर्जुन) के रोकने पर भी आर्मी कैप्टन दोस्त की मदद से बुरहान वानी को मार गिराती है। दिल्ली ट्रांसफर होने के बाद उसे दूसरी महिला राजेश्वरी स्वामीनाथन (प्रियमणि) जो पीएमओ में संयुक्त सचिव है, फिर से कश्मीर भेजती है। इस बार एनआईए का कश्मीर का चीफ बनाकर।

मोदी और अमित शाह के बजाय आपको लगेगा कि धारा 370 हटाने और इस दौरान कश्मीर में भी नेताओं, अलगाववादियों और आतंकियों व पत्थरबाजों पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी राजेश्वरी और जूनी के कंधों पर ही थी। अनुच्छेद 370 हटाने के लिए जो कश्मीर की संविधान सभा की ताकत थी, 1957 में उस सभा के खत्म हो जाने के बाद उसका तोड़ ढूंढने की जिम्मेदारी इसी महिला अधिकारी पर थी। जैसे ही सारी दिक्कतों से निकलकर राज्यसभा में आर्टिकल 370 पर प्रस्ताव पास होता है, मूवी की कहानी खत्म हो जाती है।

हालांकि मोदी की ये बात तो सही है कि मूवी से सही जानकारी मिलेगी। आर्टिकल 370 का तोड़ जिस तरह बिना 370 को छेड़े अनुच्छेद 367 में ढूंढा गया, आसान शब्दों में ये मूवी समझा देती है। कश्मीर की संविधान सभा के खत्म हो जाने के बाद उसकी ताकत विधानसभा को, और विधानसभा भंग रहने के दौरान गवर्नर को, फिर उसके जरिए राष्ट्रपति को मिल जाएगी। साथ ही 367 कैसे राष्ट्रपति को संविधान की व्याख्या की भी ताकत देती है। लेकिन मूवी के मुताबिक 95 फीसदी काम इन दोनों महिलाओं का था, इस फिल्म को देखने वाली ज्यादातर जनता ताउम्र ऐसा ही सोचेगी। ये इस मूवी का साइड इफैक्ट भी होगा।

हालांकि पीएम मोदी जो देश को बताना चाहते हैं वो भी इस मूवी के आसान सीन में बताया गया है कि कैसे हमारे अधिकारी बैक चैनल्स में फंसकर %चलने दो% एटीट्यूड में ही कश्मीर को लेकर काम कर रहे थे। कैसे टैररिज्म वहां के सैकड़ों लोगों के लिए बिजनेस बन गया था। कैसे बेरोजगारी से पत्थरबाजी हो रही थी। कैसे नेता अलगाववादियों और पाकिस्तान की मदद से काम कर रहे थे। कैसे युवा आतंकियों का इस्तेमाल हो रहा था। कैसे भारत विरोध के नाम पर लोग रोटियां सेक रहे थे।

कहानी में इमोशन जोड़ने के लिए जूनी हक्सर के ह्विसिल ब्लोअर पापा की हत्या जो आत्महत्या दिखा दी गई, को भी कहानी से जोड़ा गया है। पुलवामा हमले में उनके एक साथी की मौत को भी दिखाया गया है। लेकिन दूसरी महिला नायिका यानी पीएमओ में ज्वॉइंट सेक्रटरी राजेश्वरी स्वामीनाथ को इतना शक्तिशाली दिखाया गया है, मानो आर्टिकल 370 उन्हीं की मेहनत से हटा है और वही एनआईए आदि एजेंसियों को हैंडल करती हैं। एक वक्त में तो उन्हीं के जरिए कश्मीर में आर्मी मूवमेंट भी होता है।

यह भी हो सकता है नारी शक्ति को उभारने के लिए जानबूझकर पीएमओ के अधिकारी या एनएसए अजीत डोवाल के रोल को महिला के रोल में बदल दिया गया हो। खैर मूवी में एक तीसरी महिला एक टीवी रिपोर्टर भी दिखाई है, जो पीएमओ में भी बेरोकटोक घुस जाती है। कभी भी राजेश्वरी पर ताने मार देती है। लगता ही नहीं निर्देशक को वर्तमान पीएमओ या चैनल्स की कार्यशैली का कोई आइडिया रहा होगा, वो बरखा दत्त से ज्यादा प्रभावित लगता है।

पूरी मूवी में प्रधानमंत्री बने अरुण गोविल या अमित शाह बने किरण कर्माकर इंटरवल के बाद ही दिखते हैं। चूंकि अमित शाह ने ही राज्यसभा में दमदारी से आर्टिकल 370 को हटाने की बहस की थी, सो किरण कर्माकर को आखिर में स्क्रीन स्पेस ज्यादा मिल गया है। बाकी सभी कलाकारों में फारुख अब्दुल्ला का रोल करने वाले राज जुत्सी या महबूबा मुफ्ती के किरदार को जरूर बीच बीच में स्क्रीन स्पेस मिला है, नहीं तो यामी के बॉस राज अर्जुन और उसके सहयोगियों यश चौहान और वसीम को ही समय मिला है, बाकी मूवी तो यामी और प्रियमणि के इर्द गिर्द ही घूमती रही है।

ये भी बड़ी बात है कि बिना वजह निर्देशक ने राष्ट्रवाद का माहौल या पीएम का आभामंडल नहीं दिखाया है। शायद एक ही बार भारत माता की जय का सीन दिखाया गया है। अमित शाह का इमोशनल होकर ये कहना कि कश्मीर से हम इमोशनली जुड़े हैं और सारा का सारा कश्मीर हमारा है, जरुर असर करते हैं। पीएम मोदी का रुख भी एक डायलॉग %संसद चले ना चले देश चल पड़ा है% से दमदार लगता है। लेकिन ऐसे कई बयान वास्तविक जीवन से ही लिए गए हैं।

हालांकि एक मामूली आईबी अधिकारी यामी गौतम को ऐसे दिखाया गया है जैसे वहां न आर्मी कमांडर्स हैं, और ना ही उप राज्यपाल। वही अकेले अलगाववादियों को गिरफ्तार कर उलटा लटकाकर राज जान रही है, वही लाइब्रेरी से 370 हटाने का फॉर्मूला चुरा रही है, वही बुरहान वानी और जाकिर नाइक का एनकाउंटर कर रही है और वही कश्मीर में सुरक्षा बलों की तैनाती कर रही है। यह सब करते हुए डायरेक्ट पीएमओ में रिपोर्ट भी कर रही है। इसलिए धारा 370 को लेकर बनी इस मूवी को देखते वक्त ज्यादा दिमाग लगाने से भी बचना चाहिए। हो सकता है मूवी देखने के बाद पीएम भी अपनी राय बदल दें।

# लोकतंत्र में परिवारवादी परंपरा के निहितार्थ

**गिरीश्वर मिश्र**

पीछे मुड़ कर देखें तो आधुनिक भारत में स्वतंत्रता संग्राम के चलते राजनीति का रिश्ता देश-सेवा और देश के लिए आत्मदान से जुड़ गया था। इस पृष्ठभूमि के अंतर्गत राजनीति में आने वाले आदमी में निजी हित स्वार्थ से ऊपर उठ कर समाज के लिए समर्पण का भाव प्रमुख था। 'सुराजी' ऐसे ही होते थे। वे अपना खो कर सबका हो जाने की तैयारी से राजनीति में आते थे। स्वतंत्रता मिलने के साथ सरकार में भागीदारी ने राजनीति का चरित्र और उसका चेहरा-मोहरा बदलना शुरू किया। देखते-देखते नेता नामक जीव की वेश-भूषा, रहन-सहन आदि में बदलाव शुरू हुआ और जीवन की राह तेजी से आभिजात्य की ओर मुड़ती गई। विधायक या सांसद राजपुरुष होने की ओर बढ़ने लगे। मंत्री होना राजसी ठाट-बाट का पर्याय सा हो गया। नेताओं का भी दरबार लगने लगा और वे प्रजा की सेवा से दूर होते चले गए। राजनीति सेवा की जगह धन उगाही के व्यापार का रूप लेती गई और राजनेताओं की संपत्ति दिन-दूनी रात-चौगुनी बढ़ने लगी। इसी के साथ एक पक्ष और प्रबल होने लगा कि राजनेता के परिवार और परिजन भी राजनीति में अवांछित दखल देने लगे। जन-सेवा और लोक संग्रह से कोसों दूर ये नए नवेले अगली पीढ़ी के राजनेता ज्यादातर अपनी कर्मठ जन-सेवा की बदौलत नहीं बल्कि वंशधर होने के कारण उसमें शामिल होने लगे। अपने विश्वस्त की तलाश करते वरिष्ठ या 'सीनियर' राजनेताओं की आंखें घूम-फिर कर अपने बेटी-बेटे, पत्नी, भाई, भतीजे और नाते-रिश्तेदारों पर टिकने लगीं। सच कहें तो राजनीति में भागीदारी उसके किरदारों को कुछ निजी या पारिवारिक पेशा, खेती-बारी, दुकानदारी या पुश्तैनी व्यापार जैसा लगने लगा। फलत: जब एक राजनेता अपना उत्तराधिकारी खोजने लगा तो उसे जनता भूल-बिसर गई और वह अक्सर जनता की ओर नहीं बल्कि अपने परिवार की ओर देखने लगा. कुछ को इसमें सफलता भी मिलने लगी। आज के भारतीय राजनैतिक परिदृश्य में खानदानी नेताओं की जमात बढ़ती ही जा रही है। राजनैतिक दल पारिवारिक दल में रूपांतरित हो जाता है और सत्ता का बंटवारा किया जाता है. असंतुष्ट होने पर परिवार टूटने के तर्ज पर पार्टी टूटती है। यह एक अजीब बदलाव है जो जनतंत्र की मूल प्रकृति और चरित्र के उल्टा बैठता है। जनतंत्र तो जन से चलता है, प्रजा में ही उसकी आत्मा बसती है और प्रजा-जन एक समान होते हैं परंतु नेताओं का प्रजा से न उभरना चिंताजनक हो रहा है। सारी लाज-हया छोड़ राजनीतिक वंशों का आधिपत्य बनाए रखने की घटनाएं राजनीति और लोकतंत्र दोनों के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं कही जा सकतीं। लोकतंत्र के लिए वंशवाद खतरनाक है और राजनेताओं को इस पर विचार करना होगा।

# कांग्रेस 17 में से सिर्फ छह सीटों पर मुकाबला करने की स्थिति में

**अजय सेतिया**

उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी के हस्तक्षेप से बचे इंडी एलायंस ने इन अफवाहों को खत्म कर दिया है कि वह परिवार और पार्टी में अलग थलग पड़ गई हैं, या उत्तर प्रदेश के प्रभारी पद से हटा कर उन्हें किनारे कर दिया गया है। प्रियंका गांधी ने समाजवादी पार्टी के साथ लगभग टूट रहा गठबंधन बचा कर पार्टी में अपनी अहमियत साबित कर दी है। राहुल गांधी यह काम इतनी आसानी से नहीं कर सकते थे, जितनी आसानी से प्रियंका ने कर दिया। वैसे प्रियंका ने भी कुछ नहीं किया, अखिलेश यादव ने तीन दिन पहले ही 17 सीटों की पेशकश कर दी थी। प्रियंका एक भी सीट नहीं बढा सकी, अलबत्ता मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट समाजवादी पार्टी को देनी पड़ी।

प्रियंका के फोन का इतना असर जरुर हुआ कि अखिलेश यादव वाराणसी सीट से अपना उम्मीदवार हटाने को सहमत हो गए। वाराणसी हारी हुई सीट है, वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के उम्मीदवार हैं। वैसे भी दो दिन पहले अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी वाराणसी की सीट खराब कर आए जब उन्होंने कहा कि वाराणसी में रात को बाजा बज रहा था, और युवक शराब पी कर नाच रहे थे। यूपी वालों के लिए कुछ इसी तरह की टिप्पणी उन्होंने वायनाड में भी की थी, जब उन्होंने कहा था कि दक्षिण के मुकाबले उत्तर प्रदेश के लोग राजनीतिक तौर पर परिपक्व नहीं है। राहुल गांधी खुद इस तरह की टिप्पणियाँ करके अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय देते रहे हैं। जबकि प्रियंका गांधी ने शायद ही कभी इस तरह की क्षेत्रवाद और जातिवाद की टिप्पणी की। अलबत्ता प्रियंका गांधी ने बिना कुछ किए ही उत्तर प्रदेश का गठबंधन बचाने का श्रेय ले लिया, जबकि कांग्रेस ने उन्हें इंडी एलायंस की चारों मीटिंगों से दूर रखा था।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से रायबरेली और अमेठी समेत 33 सीटों की मांग की थी, रायबरेली और अमेठी को छोड़कर बाकी 31 सीटों पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार भी तय कर लिए थे। लेकिन समाजवादी

पार्टी ने पहले 11, फिर 15 और आखिर में 17 सीटें देने की पेशकश की, जिसे कांग्रेस को मजबूरी में स्वीकार करना पड़ा। इन 17 में से चार सीटें इलाहाबाद, झांसी, बुलन्दशहर और गाजियाबाद ऐसी सीटें हैं, जो कांग्रेस की 33 सीटों की सूची में नहीं थी।

इसका मतलब हुआ कि कांग्रेस की ओर से माँगी गई 33 सीटों में से उसे सिर्फ 13 सीटें मिली हैं। इलाहाबाद, झांसी, बुलन्दशहर और गाजियाबाद चारों ही भाजपा की मजबूत सीटें हैं। इलाहाबाद में भाजपा की रीता बहुगुणा 56 प्रतिशत वोट लेकर, झांसी में भाजपा के अनुराग शर्मा 59 प्रतिशत वोट लेकर, बुलन्दशहर में भाजपा के भोला सिंह 61 प्रतिशत वोट लेकर और गाजियाबाद में जनरल वी.के. सिंह 62 प्रतिशत वोट लेकर जीते थे। कांग्रेस की ओर से माँगी गई बलिया, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, फरुखाबाद, मुरादाबाद, गोंडा, कैराना. कन्नौज, उन्नाव, बदायू, डुमरियागंज, रामपुर, बिजनौर, बहराईच, फतेहपुर, श्रावस्ती, कुशीनगर, फिरोजाबाद, बागपत और आजम गढ़ सीटें नहीं मिलीं। कांग्रेस को गठबंधन में जो सीटें मिली हैं, उनमें से सहारनपुर और अमरोहा सीटें पिछली बार बहुजन समाज पार्टी जीती थी। अमरोहा से जीते बसपा के सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, इसलिए इस बार वह कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। सहारनपुर में कांग्रेस की ओर से इमरान मसूद को कांग्रेस का टिकट मिलना तय है, 2019 में भी वह कांग्रेस के उम्मीदवार थे और तीसरे नंबर पर आए थे। इस बीच सपा और बसपा से होते हुए वह वापस कांग्रेस में लौट चुके हैं।

सीतापुर और बाराबंकी भाजपा की दो ऐसी सीटें है, जिन्हें भाजपा की दृष्टि से थोड़ा कमजोर समझा जा सकता है। सीतापुर में भाजपा 48 प्रतिशत वोट पाकर और बाराबंकी 46 प्रतिशत वोट पाकर जीती थी। बसपा की दो सीटों और भाजपा की इन दो सीटों, कांग्रेस की रायबरेली सीट के अलावा समझौते में कांग्रेस को मिली बाकी सभी 12 सीटें भाजपा 50 प्रतिशत से ज्यादा वोटों से जीती थी, जिनमें अमेठी भी शामिल है, जहां स्मृति ईरानी को भी 50 प्रतिशत वोट मिले थे। तो कुल मिलाकर कांग्रेस सिर्फ छह सीटों रायबरेली (जहां प्रियंका वाड्रा उम्मीदवार होंगी), अमेठी (जहां राहुल गांधी उम्मीदवार हो सकते हैं), बसपा की सहारनपुर व अमरोहा और भाजपा की सीतापुर और बाराबंकी में भाजपा को कड़ी टक्कर देने की स्थिति में हो सकती है। सहारनपुर में मोदी की बोटी बोटी काट देने की धमकी देने वाले इमरान मसूद को पिछली बार सिर्फ 16 प्रतिशत वोट मिले थे, बसपा के विजयी उम्मीदवार हाजी फजरुल रहमान को 41.89 प्रतिशत और भाजपा के राघव लखनपाल को 40.06 प्रतिशत वोट मिले थे। इसलिए बसपा का उम्मीदवार इस बार सहारनपुर को भाजपा के लिए आसान बना देगा।

इसी तरह अमरोहा में कांग्रेस के उम्मीदवार को पिछली बार सिर्फ 12 हजार वोट मिले थे। कुंवर दानिश अली भाजपा के उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर से सिर्फ 63 हजार वोटों के अंतर से जीते थे, 2014 में वह इसी सीट से समाजवादी पार्टी को भारी अंतर से हरा कर जीते थे। इसलिए अमरोहा सीट पर भी कांग्रेस के उम्मीदवार दानिश अली की जीत आसान नहीं होगी। अब भाजपा की जीती हुई सीतापुर और बाराबंकी को देखें तो सीतापुर में कांग्रेस की केसर जहां को एक लाख वोट भी नहीं मिला था, बसपा के नकुल दूबे को सपा के समर्थन के बावजूद सिर्फ 4 लाख 13 हजार वोट मिले थे। जबकि भाजपा के राकेश वर्मा एक लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीते थे। अगर पिछली बार मिले बसपा, सपा और कांग्रेस के वोट जोड़ दें, तो भी भाजपा भारी पड़ी थी।

# किसान आंदोलन ने बिगाड़ा कई पार्टियों का खेल

**अंकित सिंह**

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग को लेकर नए सिरे से किसानों के विरोध प्रदर्शन ने राजनीतिक दलों को अपनी रणनीतियों में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है। खासकर ऐसे समय में जब लोकसभा चुनाव नजदीक है। 100 से अधिक किसान यूनियनों के प्रदर्शन ने पंजाब के राजनीतिक समीकरण को भी बदल दिया है। राज्य की अब तक चार मुख्य राजनीतिक पार्टियां - सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल (एसएडी) - सभी अलग-अलग रणनीति के तहत चुनाव की तैयारी में थे, लेकिन अब उसमें बदलाव देखने को मिलेगा। साल 2020-21 के दौरान हुए किसान आंदोलन 1.0 ने भी राज्य की राजनीति को हिलाकर रख दिया है। अब 2.0 भी नई राजनीतिक स्थिति को पैदा कर रहा है।

पंजाब में आप खुद को किसानों की मित्र पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है, जिसके मुख्यमंत्री भगवंत मान केंद्र-किसान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। कांग्रेस, जिसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है और कम से कम पंजाब में क्क के साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने के बाद, उसने भी किसानों की मांगों को समर्थन दिया है, और उसके नेता विरोध प्रदर्शन में घायल हुए किसानों से मिलने गए। भाजपा, जो केंद्र और हरियाणा दोनों में सत्ता में है, यह सुनिश्चित करने के लिए अपना काम कर रही है कि किसान पूरी तरह से पार्टी से अलग न हो जाएं। यह अकाली ही हैं, जो पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जो सबसे अधिक प्रभावित दिख रहे हैं, क्योंकि विरोध के कारण उनकी पंजाब बचाओ यात्रा ठंडे बस्ते में चली गई है और पुराने साथी भाजपा के साथ गठबंधन की संभावनाएं अब धूमिल हो गई हैं।

आंदोलन 1.0 की ही तरह इस बार भी आम

आदमी पार्टी इसे भुनाने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी ने 2021-22 में किसानों का समर्थन करके ही पंजाब में सत्ता हासिल की थी। उस समय आम आदमी पार्टी सिर्फ दिल्ली में सत्ता में थी और दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने प्रदर्शन के दौरान किसानों का जमकर समर्थन किया था। इसी कारण पार्टी को पंजाब में सरकार बनाने में सफलता मिल गई। वहीं, कांग्रेस सहित तमाम अन्य दलों को बड़ा नुकसान हुआ था। अपने मुफ्त बिजली और किसानों को एसपी सहित कई वादे की और 42.00 में एक फ़ीसदी वोट हासिल कर सत्ता में आई। इस बार भी आम आदमी पार्टी लोकसभा चुनाव के मध्यनजर इस आंदोलन को भुनाने की कोशिश कर रही है। आंदोलन का सबसे ज्यादा असर पंजाब और हरियाणा में है। पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें हैं जबकि हरियाणा में 10 सीटें हैं। इन दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी प्राथमिकता से चुनाव लड़ने की तैयारी में है। ऐसे में उसे इस बार भी किसानों के सहारे सफलता की उम्मीद है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 सीटें अपने बलबूते जीतने की योजना पर काम कर रही है। लेकिन पंजाब और हरियाणा में किसान आंदोलन की वजह से नुकसान हो सकता है। किसान आंदोलन ने पंजाब के साथ-साथ हरियाणा में भी भाजपा की टेंशन बढ़ा दी है। हरियाणा की सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है। वहीं, पंजाब में भाजपा अभी भी संघर्ष कर रही है। ऐसे में अगर यह किसान आंदोलन जारी रहता है तो कहीं ना कहीं उसे चुनाव में इससे नुकसान हो सकता है। हालांकि भाजपा 2020-21 की तरह किसान आंदोलन को लेकर इस बार एग्रेसिव नजर नहीं आ रही है। भाजपा इस बात को बताने की कोशिश कर रही है कि केंद्र की मोदी सरकार ने अब तक किसानों के लिए क्या कुछ किया है। किसान आंदोलन जैसे ही दोबारा शुरू हुआ केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और नित्यानंद राय किसानों के साथ बैठक करने के लिए चंडीगढ़ पहुंच गए। चार बैठक भले ही बेनतीजा रही हैं। लेकिन कहीं ना कहीं भाजपा यह बताने की कोशिश कर रही है कि मोदी सरकार किसानों की समस्याओं को समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस की पूरी तरीके से किसानों के साथ खड़ी नजर आ रही है। कांग्रेस की ओर से तो साफ तौर पर कह दिया गया है कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो किसानों को एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। पंजाब और हरियाणा में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में है। ऐसे में कांग्रेस किसानों के साथ खड़े रहकर अपने प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश में है। पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ने का पहले ही ऐलान कर चुके हैं। ऐसे में दोनों दल किसानों को अपने-अपने पक्ष में अपने-अपने तरीके से साधने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे पार्टी के बड़े नेता भी लगातार किसान आंदोलन को लेकर केंद्र की मोदी सरकार निशान साथ रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल राज्य में एक बार फिर से अपने अस्तित्व को उभारने की कोशिश में लगी हुई है। ऐसे में इस किसान आंदोलन की वजह से उसे सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। शिरोमणि अकाली दल न तो नौ में दिखाई दे रही है ना तेरह में। किसान आंदोलन की वजह से ही अकाली दल ने भाजपा से अपना गठबंधन तोड़ा था। एक बार फिर से दोनों के साथ आने की अटकलें चल रही थी लेकिन किसान आंदोलन ने उस पर पानी फेर दिया है।

# क्या झारखण्ड में भाजपा को भारी पड़ेगी हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी?

**आलोक कुमार**

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से प्रदेश की राजनीति अशांत है। समर्थकों में सहानुभूति की लहर को बनाए रखने की जद्दोजहद जारी है। सत्तारूढ झारखंड मुक्ति मोर्चा की कोशिश लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत में होने वाले प्रदेश विधानसभा चुनाव तक समर्थकों में विक्षोभ की आंच को बढ़ाए रखने की है। अगर इसमें सफलता मिलती है तो विपक्षी भारतीय जनता पार्टी को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। प्रदेश में झामुमो के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की सरकार है और यह लगातार सियासी हाशिए पर धकेली जा रही कांग्रेस पार्टी के संबल का आधार है। आदिवासी बहुल झारखंड से लोकसभा की 14 सीटें हैं। इनमें से अमूमन बारह सीटें भाजपा जीतती रही है। मगर हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद से उपजी स्थिति अलग है। यहां की लोकसभा सीटें पड़ोसी बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश की सीमा से लगती हैं। यहां झामुमो और राष्ट्रीय जनता दल को साथ लेकर कांग्रेस पार्टी सियासी ऑक्सीजन पाना चाहती है। स्थानीयता की राजनीति में प्रवीण झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन पड़ोसी राज्य बिहार के लालू प्रसाद यादव की तरह ही परिवारवाद के पोषक हैं और प्रदेश भर में व्यापक असर रखते हैं। उन्हें भाजपा और कांग्रेस के पास आने जाने से कभी कोई खास गुरेज नहीं रहा है। बुजुर्ग शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रणेता रहे हैं। जेल आते जाते रहना उनके राजनीतिक सफर का प्रमुख हिस्सा रहा है। प्रेक्षक मानते हैं कि इस दबंग आदिवासी नेता का जेल जाने से समर्थन आधार घटने के बजाय बढ़ता ही रहा है। ऐसे में उनके पुत्र, सियासी वारिस और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहली बार भूमि घोटाले में सलाखों के पीछे गए हैं। इससे उनके जनाधार का क्या होता है, यह देखना बाकी है। जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत झुकने के बजाय इसी तरह डटे रहे तो बड़े सियासी फायदे में रह सकते हैं। मगर इसके लिए उन्हें विरोधियों के अलावा निज परिवार में जारी अंदरूनी महाभारत से पार पाना होगा। सियासत में गुरूजी के विशेषण से मशहूर शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन और दो पुत्र हेमंत और बसंत सोरेन प्रदेश की तीन सीटों से विधायक हैं। चौथी विधानसभा सीट गिरिडीह की गांडेय है। इससे तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरूजी की दूसरी बहु कल्पना सोरेन को विधायक बनाने की तैयारी मुकम्मल कर रखी है। ईडी की गिरफ्तारी से उपजी रिक्तता को भरने की तैयारी में अल्पसंख्यक बहुल इस सीट के विधायक सरफराज अहमद का इस्तीफा करवाकर रखा गया है। अगर केंद्रीय चुनाव आयोग इस पर छह महीने के अंदर उपचुनाव कराने की अनिवार्यता में पड़ता है, तो परदे के पीछे से सत्ता की बागडोर सम्हाले कल्पना सोरेन विधायक बनने के रण में होगी। आगामी लोकसभा चुनाव में शिबू सोरेन की पौत्री जयश्री सोरेन को दुमका सीट से उतारने की तैयारी में है। दुमका से विधायक बसंत सोरेन भी भाई की गिरफ्तारी के दौरान सत्ता पर अपनी हनक को बढ़ाना चाहते हैं। यह परिवार में जारी अंदरूनी खींचतान की वजह है। दुमका लोकसभा सीट फिलहाल भाजपा के पास है मगर खुद शिबू सोरेन और उनकी पत्नी रूपी सोरेन यहां से लोकसभा जाते रहे हैं। गुरूजी के बड़े बेटे विधायक दुर्गा सोरेन के असामयिक निधन के बाद से हेमंत सोरेन परिवार के अन्य सदस्यों को पीछे छोड़ बीते पंद्रह सालों से बुजुर्ग गुरूजी के सियासी वारिस हैं। परिवार के अन्य सदस्य इसमें अपनी प्रत्यक्ष हिस्सेदारी बढ़ाने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हेमंत सोरेन को आखिरी वक्त पर पत्नी कल्पना सोरेन को राजनीति में उतारने के इरादे को बदलना पड़ा। उन्होंने होशियारी से पत्नी के बजाय मुख्यमंत्री की कुर्सी परिवार के पुराने विश्वस्त चंपाई सोरेन के हाथों सौंपकर पारिवारिक बिखराव को फिलहाल रोक लिया है। यह उनकी बड़ी सियासी सफलता है क्योंकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कराने में निरंतर लगे रहे प्रतिपक्षी नेताओं का निजी आकलन था कि ईडी की गिरफ्तारी के साथ ही सोरेन परिवार में कलह जोर पकड़ेगी।

# क्वीन 2 में कंगना की वापसी कन्फर्म

## डायरेक्टर विकास बहल ने लॉक की स्क्रिप्ट

बॉक्स ऑफिस सक्सेस के बाद फ़ाइनली कंगना रनौत की प्रतिष्ठित फिल्म क्वीन का सीक्वल आ रहा है । क्वीन की रिलीज के दस साल बाद कंगना रनौत एक बार क्वीन के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं । निर्देशक विकास बहल ने क्वीन 2 को कन्फर्म कर दिया है । डायरेक्टर विकास बहल के मुताबिक़, क्वीन 2 की स्क्रिप्ट लॉक कर दी गई है । इतना ही नहीं, विकास बहल ने क्वीन के रूप में एक बार फिर कंगना रनौत की वापसी को कन्फर्म किया है । 2014 में रिलीज़ हुई, क्वीन एक स्लीपर हिट बन गई, जिसे बहुत अच्छी समीक्षाएँ मिलीं और दर्शकों ने इसे दिल से पसंद किया । बिना शादी के अकेले अपने हनीमून पारा जाने वाली युवा महिला की कहानी ने हर किसी का दिल छू लिया । प्रशंसकों को भी क्वीन की अगली कड़ी का बेसब्री से इंतजार है। पिछले साल, बहल ने फ़ाइनली इस बात को कन्फर्म किया था कि क्वीन के सीक्वल पर काम चल रहा है । और अब अब, Newsv Shosha के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, बहल ने क्वीन के सीक्वल को लेकर अपडेट दी कि, स्क्रिप्ट पूरी हो गई है! अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, बहल मूल फिल्म द्वारा निर्धारित उच्च उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव को स्वीकार करते हैं । वह मानते हैं, क्वीन ने स्तर बहुत ऊंचा कर दिया । लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वास्तव में अपनी कहानी पूरी कर ली है । इसलिए, हां, अब अगली कड़ी बनने जा रही है । बहल ने आगे कहा कि एक मजबूत स्क्रिप्ट के लिए इंतजार करने का निर्णय वित्त से प्रेरित नहीं था । वह कहते हैं, अगर मुझे उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव महसूस नहीं होता, तो मैं इसे चार साल पहले ही सिर्फ पैसे के लिए बना चुका होता । लेकिन हमें पूरा यकीन था कि जब तक हमें कोई सही कहानी नहीं मिल जाती, हम ऐसा नहीं करेंगे । यह उतना ही परिणाम देता है जितना क्वीन ने दिया था। आने वाला मार्च बहल के लिए दोहरा महत्व रखता है। क्वीन 7 मार्च को अपनी 10वीं वर्षगांठ मना रही है, इसके बाद 9 मार्च को आर माधवन, अजय देवगन और ज्योतिका अभिनीत उनकी अगली फिल्म शैतान रिलीज होगी । इसके अलावा, उनकी वेब सीरीज सनफ्लावर का दूसरा सीजन ज़ी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

# एकता की लव और धोखा 2 में मौनी की होगी स्पेशल एंट्री?

बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स की बहुप्रतीक्षित लव, सेक्स और धोखा 2 का एक अपनी घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में है। दर्शकों के बीच फिल्म के प्रति जबरदस्त उत्साह के बीच, उत्साह तब और बढ़ गया जब निर्माताओं ने एक दिलचस्प मोशन पोस्टर के साथ आधिकारिक तौर पर 19 अप्रैल, 2024 की रिलीज की तारीख की घोषणा की । जहां फिल्म लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, वहीं एक रोमांचक खबर आई है जिसमें कहा जा रहा है कि अभिनेत्री मौनी रॉय बहुप्रतीक्षित लव, सेक्स और धोखा 2 में एक कैमियो में नजर आने वाली हैं ।इंडिपेंडेंट इंडस्ट्री के एक सूत्र के मुताबिक मौनी रॉय एकता आर कपूर की फिल्म लव सेक्स और धोखा के सबसे बहुप्रतीक्षित सीक्वल में नजर आएंगी । एकता और मौनी अपने करियर की शुरुआत से काफी आगे बढ़ चुकी हैं क्योंकि मौनी को एकता ने लॉन्च किया था । फिल्म में मौनी पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगी ।

लव, सेक्स और धोखा 2 के निर्माताओं ने नए मोशन पोस्टर में इसकी अनोखी दुनिया की झलक दी । बोल्ड, रोमांचकारी और लुभावना, मोशन पोस्टर में धड़कते हुए सोशल मीडिया ऐप आइकन के साथ एक दिल दिखाया गया है जो डिजिटल युग के समय में प्यार और सेक्स पर आधारित फिल्म की थीम को प्रदर्शित करता है।

लव, सेक्स और धोखा 2 रिश्तों की जटिलताओं की पड़ताल करती है और इंटरनेट के युग में आधुनिक प्रेम के छिपे पहलुओं को उजागर करती है। एक मनोरंजक कथा और सम्मोहक प्रदर्शन के माध्यम से, फिल्म प्यार, विश्वासघात और हमारी तकनीकी रूप से संचालित दुनिया के परिणामों के विषयों में गहराई से उतरने का वादा करती है। बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स और कल्ट मूवीज़ का एक प्रभाग, दिबाकर बनर्जी प्रोडक्शन प्रस्तुत करता है, लव सेक्स और धोखा 2, एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित है। फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया है।

# नो फिल्टर विद नेहा सीजन 6 के पहले गेस्ट टाइगर श्रॉफ के साथ लिफ्ट में फंसी नेहा धूपिया

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया एक बार फिर अपने लोकप्रिय चैट शो, नो फिल्टर नेहा के बहुप्रतीक्षित छठे सीजन के साथ वापस लौट आई हैं । नेहा धूपिया ने अपने सेलिब्रिटी चैट शो और पॉडकास्ट, नो फिल्टर नेहा सीजन 6 में एक नए अंदाज़ के साथ वापसी की है । हाल ही में नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत की जिसमें उन्होंने अपने शो, नो फिल्टर नेहा सीजन 6 को लेकर खुलकर बात की साथ ही इस बार दर्शकों को इसमें क्या नया देखने को मिलेगा, इसका भी खुलासा किया । नो फिल्टर नेहा सीजन 6 के पहले गेस्ट बने टाइगर श्रॉफ । बॉलीवुड हंगामा के साथ हुए इंटरव्यू में नेहा ने, नो फिल्टर नेहा सीजन 6 के पहले गेस्ट बने टाइगर श्रॉफ के साथ बिहाइंड द सीन को शेयर किया । नेहा ने बताया कि जब टाइगर उनके शो के पहले एपिसोड के शूट के लिए सेट पर आए तब टाइगर और नेहा एक लिफ्ट में फँस गए थे । नेहा ने उस किससे को याद करते हुए बताया, मुझे और टाइगर को रिकॉर्डिंग के लिए सेट पर पहुंचना था। हम दोनों लिफ्ट में अंदर गए और ये अचानक रुक गई। फिर तो मैं बेसब्र हो गई। एक तो सेट पर पहुंचने के लिए लेट हो रहा था, दूसरा अंदर से घबराहट भी होने लगी। लिफ्ट में फंसकर मैं परेशान हो गई, लेकिन टाइगर के तो क्या कहने ! उन्हें तो कोई टेंशन ही नहीं हो रही थी । सारा सरदर्द मुझे ही हो रहा था । टाइगर इस दौरान काफ़ी शांत रहे और उन्होंने अपने सनग्लासेज निकाले और पहनने लगे । फिर जब हम बाहर आए तो सब मजे लेते हुए पूछने लगे कि क्या मैं टाइगर के साथ लिफ्ट में फंस गई थीं । मुझे लगा कि अब इसमें कौन सी बड़ी बात हो गई । लोगों को लग रहा था कि ये तो खास मूमेंट था, लेकिन मुझे पता था कि मेरी इसमें कोई रुचि नहीं थी। मैं तो एक प्रोड्यूसर के तौर पर बस यही सोच रही थी कि कैसे भी जल्दी बाहर निकले और शूट पूरा करें।

# कैटरीना कैफ के, के ब्यूटी ब्रांड ने वुमन्स प्रीमियर लीग टीम यूपी वारियर्स के साथ हाथ मिलाया

सौंदर्य और सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी, कैटरीना कैफ की ब्यूटी ब्राण्ड भारत का पहला अग्रणी सेलिब्रिटी ब्युटी ब्रांड है जो महिलाओं के खेल की दुनिया में अभूतपूर्व सहयोग के साथ लहरें बना रहा है। अपनी दूरदर्शी उद्यमिता के लिए प्रसिद्ध, कैटरीना कैफ न केवल सौंदर्य मानकों को फिर से परिभाषित कर रही हैं, बल्कि महिला एथलीटों की ताकत और योग्यता की भी वकालत कर रही हैं। एक रणनीतिक कदम के साथ कैटरीना ने महिला प्रीमियर लीग टीम यूपी वारियर्स के साथ एक सार्थक साझेदारी की है, जो मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह सुंदरता का जश्न मनाने की यात्रा पर निकल पड़ी है। कैटरीना कैफ की ब्यूटी ब्रांड को टीम की जर्सी के सामने की ओर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा, जो खेल और सुंदरता के जीवंत मिश्रण का प्रतीक है। जबकि यूपी वारियर्स भारत में खेल पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए महिलाओं के लिए दरवाजे खोल रहा है। कैटरीना कैफ का दृष्टिकोण सभी आयु समूहों, लिंग और त्वचा टोन के लिए मेकअप की पेशकश करना है। सहयोग के एजेंडे में सबसे ऊपर उन सभी प्रकार से प्रकाश डालने में सक्षम होना है जो खेलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करते हैं।

# टेक ऑफ के लिए तैयार तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन की क्रू

तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन स्टारर फिल्म क्रू का जबरदस्त पोस्टर रिलीज़ होने के बाद दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल है। यह पहली बार है जब तीनों हसीनाएं एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। ऐसे में मेकर्स इस फिल्म के टीज़र को रिलीज़ करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि यह हाइली एंटीसिपेटेड फिल्म एक दमदार कमर्शियल फॅमिली एंटरटेनर है। कंबाइन पोस्टर में हम तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन को बतौर एयर होस्टेस देख सकते हैं। पोस्टर में वे तीनों सेक्सी, क्लासी, सैसी और एकदम बदमाश वाइब्स का एक परफेक्ट ब्लेंड लग रही हैं। उनके पहली बार साथ आने को ध्यान में रखते हुए, यह कहना गलत नहीं होगा कि, उन्हें बड़े पर्दे पर देखना बहुत मजेदार होने वाला है। लाल साड़ी पहने, टैगलाइन को बोल्डली डिक्लेअर करते हुए, रिस्क इट, स्टील इट, फेक इट अब इससे अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि फिल्म रोमांच का एक रोलरकोस्टर राइड होने वाली है, जिसके लिए सही माहौल तैयार हो रहा है। फिल्म के शुरुआती पोस्टर्स जो आकर्षण और शरारत से भरे है, दर्शकों को क्रेजी फ्लाइट एडवेंचर पर ले जाने की झलक के रूप में काम करते है, जिसका इंतजार करना अब मुश्किल हो चला है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म के आधिकारिक टीज़र लॉन्च की घोषणा का एलान किया है। वैसे 29 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार, क्रू न केवल अपने स्टार-स्टडेड कास्ट के लिए, बल्कि भारत में विभिन्न शूटिंग लोकेशन्स के लिए भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है, जिसमें मुख्य रूप से मुंबई शामिल है। बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क प्रतिभाशाली निर्देशक राजेश ए कृष्णन द्वारा निर्देशित इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को बड़े पर्दे पर लाने के लिए साथ आए हैं।

# रणवीर सिंह की डॉन 3 होगी अब तक की सबसे महंगी डॉन फ़िल्म

डॉन के साथ साल 2006 में शुरू हुई डॉन फ़्रेंचाइज़ी के पहले दोनों पार्ट्स में शाहरुख खान ने डॉन का किरदार निभाया लेकिन इस बार प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी और फ़रहान अख़्तर ने डॉन 3 में रणवीर सिंह को डॉन के किरदार में साइन किया है । शाहरुख खान के बाद अब डॉन फ़्रेंचाइज़ी को रणवीर सिंह आगे लेकर जाने वाले हैं। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ फ़ीमेल लीड के रूप में कियारा आडवाणी की ऑफ़िशियली एंट्री हो चुकी है। निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार फरहान अख्तर भी डॉन 3 को अब तक की सबसे बड़ी एक्शन फ़िल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं । और अब हमें पता चला है की, डॉन 3 अब तक की सबसे महँगी डॉन फ़िल्म साबित होने वाली है।

रणवीर सिंह की डॉन 3 होगी अब तक की सबसे महंगी डॉन फ़िल्म ; 275 करोड़ रू के बिग बजट में बन रही डॉन 3 का उद्देश्य इंटरनेशनल फ़िल्मों से मुक़ाबला करना है प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, डॉन 3 सबसे महंगी डॉन फिल्म होगी । शाहरुख खान के साथ डॉन 1 और डॉन 2 अच्छे बजट पर बनाई गई थीं, लेकिन डॉन 3 के साथ फरहान अख्तर का लक्ष्य एक वैश्विक फिल्म बनाना है । डॉन 3 का लक्ष्य सिर्फ भारत की एक्शन फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करना नहीं है, बल्कि स्केल फ्रंट पर ग्लोबल लेवल पर मुक़ाबला करना है । डॉन 3 एक वैश्विक एक्शन थ्रिलर बनाने का फरहान का प्रयास है और नए युग में फ्रेंचाइज़ी का नेतृत्व करने के लिए रणवीर सिंह से बेहतर कोई नहीं है । एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया । सूत्र ने आगे कहा कि डॉन 3, 275 करोड़ रुपये के बजट पर बनाई जाएगी । इसमें प्रिंट और प्रमोशन खर्चों को शामिल नहीं किया गया है । सूत्र ने हमें आगे बताया, एक्शन की कल्पना इस तरह की गई है कि डॉन 3 स्पाई यूनिवर्स के सामने खड़ी है । हालांकि, जो बात डॉन 3 को भारत की अन्य एक्शन फिल्मों से अलग करती है, वह नायक है, जिसमें निगेटिव एलिमेंट्स भी हैं । डॉन एक ऐसा विषय है जो रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के दिल के करीब है और वे दोनों फ्रेंचाइजी के साथ पूर्ण न्याय करने और रणवीर सिंह के साथ नए युग में प्रवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी ।

# यामी की पावरफ़ुल एक्टिंग और दमदार कहानी से देखने लायक़ बनी आर्टिकल 370

आर्टिकल 370, दो ऐसी महिलाओं की कहानी है जिन्होंने इतिहास बदल दिया । 8 जुलाई 2016 को, खुफिया विभाग के जूनी हक्सर (यामी गौतम धर) को महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि एक खतरनाक आतंकवादी बुरहान (शिवम खजुरिया) कश्मीर के कोकेरनाग में छिपा हुआ है । वह अपने सीनियर खावर अली (राज अर्जुन) से अनुमति मांगती है लेकिन वह उसे इंतजार करने का निर्देश देता है । जूनी सीआरपीएफ अधिकारी यश चौहान (वैभव ततवावादी) और उनकी टीम की मदद से ऑपरेशन को अंजाम देने का फैसला नहीं करती है । बुरहान मारा गया और इससे राजनीतिक नेताओं का एक वर्ग नाराज है। वे युवाओं को भड़काते हैं, जिससे घाटी में हिंसा भड़कती है। खुफिया विभाग ने आदेशों का पालन न करने पर जूनी को निलंबित कर दिया। उसे दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया जहां वह अवसाद में चली गई। एक साल बाद, पीएमओ की राजेश्वरी स्वामीनाथन (प्रिया मणि) जूनी से संपर्क करती हैं और उन्हें श्रीनगर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में एक टीम का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करती हैं। जूनी ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक अनुच्छेद 370 मौजूद है, उनके सभी प्रयासों का कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार जल्द ही कश्मीर में परवीना अंद्राबी (दिव्या सेठ शाह) से गठबंधन तोड़ देती है। वे राष्ट्रपति शासन भी लगाते हैं, इस प्रकार यह सुनिश्चित करते हैं कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता गठबंधन बनाने के लिए एकजुट न हों। राजेश्वरी जल्द ही जूनी के सामने कबूल करती हैं कि केंद्र धारा 370 को रद्द करने की योजना बना रहा है। लेकिन उन्हें कानूनी रूप से ऐसा करने का एक रास्ता खोजने की

ज़रूरत है और साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि घाटी में शांति भंग न हो। आगे क्या होता है इसके लिए पूरी फ़िल्म देखनी होगी । सच्ची घटनाओं से प्रेरित आदित्य धर और मोनाल ठाकर की कहानी रोमांचक है । सबको पता है कि अनुच्छेद 370 हटा दिया गया, लेकिन कैसे हटाया गया, ये कोई नहीं जानता । आदित्य धर, आदित्य सुहास जंभाले, अर्जुन धवन और मोनाल ठाकर की पटकथा (आर्श वोरा द्वारा अतिरिक्त पटकथा) मनोरंजक है। कुछ जगहों पर लेखन थोड़ा तकनीकी हो जाता है लेकिन लेखक कुछ मनोरंजक और रोमांचकारी क्षणों के साथ इसकी भरपाई कर देते हैं। आदित्य धर, आदित्य सुहास जंभाले, अर्जुन धवन और मोनाल ठाकर के डॉयलॉग्स पावरफ़ुल और सराहनीय हैं। आदित्य सुहास जंभाले का निर्देशन मनमोहक है। फिल्म 160 मिनट लंबी है लेकिन उबाऊ या लंबी नहीं लगती क्योंकि हर मिनट बहुत कुछ हो रहा है। निर्माता बकवास रहित और यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाते हैं और यह फिल्म को एक अच्छा टच देता है। जैसा इरादा था, पहले भाग में उतना दम नहीं है, लेकिन इंटरवल के बाद फिल्म काफी बेहतर हो जाती है। वह दृश्य जहां जूनी याकूब शेख (सुमित कौल) से पूछताछ करती है, लोगों को पसंद आएगा। एक कानूनी दस्तावेज़ से एक महत्वपूर्ण जानकारी को कैसे हटा दिया गया, यह प्रकरण काफी चौंकाने वाला है। क्लाइमेक्स में दो ट्रैक एक साथ चलते हैं और दोनों मनोरंजक और लुभावने हैं। वहीं कमियों की बात करें तो, हालांकि निर्माताओं ने कथा को सरल बनाने की पूरी कोशिश की है, लेकिन कुछ घटनाओं को समझना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, जो लोग इसके पारंपरिक मनोरंजन की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें थोड़ी निराशा हो सकती है। दूसरे, कई जगहों पर फिल्म एकतरफ़ा होने और कहानी के सभी तत्वों को कवर न कर पाने का अहसास कराती है। उदाहरण के लिए, कश्मीर के लोगों की भलाई के लिए अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया गया था। हालाँकि, एक सरपंच (मिद्दत उल्लाह खान) के दृश्य को छोड़कर, फिल्म में आम जनता और उनकी कठिनाइयों पर कभी ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है

# सनी देओल की लाहौर 1947 में हुई अली फ़ज़ल की एंट्री

राजकुमार संतोषी की निर्देशिन में बनने वाली फिल्म लाहौर 1947 बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। ये फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म के साथ सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान की तिकड़ी पहली बार एक साथ बड़े पैमाने पर सहयोग करने जा रही हैं। इस साथ ही प्रीति जिंटा बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी। अब फिल्म की कास्ट में एक और नए एक्टर की एंट्री हुई है। लाहौर 1947 को लेकर आई एक अपडेट में यह पता चला है कि अभिनेता अली फज़ल फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बोर्ड पर आए हैं। पिछले हफ्ते, खबर थी कि सूर्यवंशी, ढोल, गोलियों की रासलीला राम-लीला, किसी का भाई किसी की जान में काम कर चुके दमदार एक्टर अभिमन्यु सिंह फिल्म में सनी देओल के साथ विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। खैर, बात करें अली फज़ल की तो ये भारतीय सिनेमा की सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक हैं और बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपने एक्टिंग स्किल्स से ऑडियंस को इम्प्रेस कर चुके हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## पांच राज्यों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में गठबंधन

**नईदिल्ली।** लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह साथ मिलकर पांच राज्यों में चुनाव लड़ेंगे। आप और कांग्रेस के बीच गठजोड़ हो गया है। दोनों पार्टी के शीर्ष नेताओं ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर इस बात की जानकारी दी है। कांग्रेस महासचिव और सांसद मुकुल वासनिक ने कहा गुजरात में 26 लोकसभा सीटें हैं। कांग्रेस 24 पर चुनाव लड़ेगी। 2 सीट (भरूच और भावनगर) पर आप के उम्मीदवार होंगे। गोवा में यह तय हुआ कि कांग्रेस दोनों लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हरियाणा में 10 लोकसभा सीटें हैं। कांग्रेस 9 सीट पर चुनाव लड़ेगी, 1 सीट-कुरुक्षेत्र पर आप के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर लंबी चर्चा के बाद अंत में यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस का उम्मीदवार वहां से चुनाव लड़ेगा। दिल्ली लोकसभा में 7 लोकसभा सीटें हैं। आप 4 पर चुनाव लड़ेगी- नई दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली। कांग्रेस 3 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस चांदनी चौक, उत्तर पूर्व और उत्तर पश्चिम पर चुनाव लड़ेगी।

## भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुईं प्रियंका गांधी

**लखनऊ।** कांग्रेस द्वारा लोकसभा चुनाव से पहले खुद को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के बीच राहुल गांधी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू की। पदयात्रा मुरादाबाद के जामा मस्जिद चौराहे से संभल चौराहे तक शुरू हुई। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमें मोहब्बत से देश को जीतना है। उन्होंने कहा कि हर कोशिश ध्यान भटकाने की हो रही है। राहुल ने कहा के देश में ध्यान भटकने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक की भागीदारी देश में सबसे कम है। हर बड़ी कंपनी में ओबीसी की संख्या कम है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि देश सबका, भागीदारी भी सबकी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नफरत को नफरत से नहीं मिटाया जा सकता। राहुल गांधी ने कहा कि यही है भाजपा का सिस्टम, एक आदमी बॉलीवुड, सर्जिकल स्ट्राइक की बात करके आपका ध्यान भटकाएगा।

## जयंत चौधरी ने किसानों से धैर्य बरतने की अपील की

**लखनऊ।** राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों से धैर्य बरतने को कहा और कहा कि समाधान जरूर निकलेगा। चौधरी ने पंजाब और हरियाणा की खनौरी सीमा पर किसान-पुलिस झड़प के दौरान बुधवार को एक युवा किसान की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान धैर्य से काम लें, समाधान जरूर निकलेगा। हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। अमरोहा में मौजूद चौधरी ने हाकमपुर ग्राम प्रधान विशाल और 24 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में मारे गए राजन और मनोज के परिजनों से उनके घर जाकर मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। चौधरी, जो हाल तक इंडिया गुट में सहयोगी थे, ने अपने पिता, पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा के मद्देनजर समूह छोड़ दिया।

## आंध्रप्रदेश में टीडीपी-जन सेना पार्टी ने गठबंधन की घोषणा की

**अमरावती।** आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 में होने वाला है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू और 'जनसेना' प्रमुख पवन कल्याण ने गठबंधन की घोषणा कर दी। इसके साथ पहली विधानसभा लिस्ट भी जारी की। टीडीपी-जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने आंध्र प्रदेश की राजनीति में पहली बार 118 नामों के साथ उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की। इन 118 उम्मीदवारों में से टीडीपी 94 सीट पर लड़ेंगी। जन सेना 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। टीडीपी की सूची में 94 में से 23 नए लोगों को चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों नेताओं ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन में शामिल होने का फैसला करती है तो उसको समायोजित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सीट का आवंटन किया गया है। पहली सूची के अनुसार, तेदेपा उम्मीदवार 94 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे जबकि जनसेना 24 सीट पर चुनाव लड़ेगी।

## तमिलनाडु में गठबंधन की कवायद में जुटी अन्नाद्रमुक

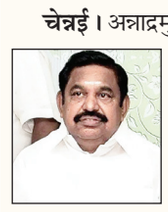

**चेन्नई।** अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में है। यही कारण है कि पार्टी अपने पूर्व सहयोगी पीएमके, जो तमिलनाडु के उत्तरी जिलों में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत है, के साथ गहन बातचीत कर रही है। बताया जा रहा है कि अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने के इच्छुक हैं। पीएमके अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास के धर्मपुरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है, क्योंकि उनका राज्यसभा कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष अच्छे नतीजे को लेकर सकारात्मक हैं। इस बीच, माना जाता है कि भाजपा ने भी एक पैकेज की पेशकश की है जिसमें 12 लोकसभा सीटें, दो राज्यसभा सीटें और पीएमके के लिए एक कैबिनेट बर्थ शामिल है।

### 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 700 लाख टन भंडारण क्षमता

# मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत 11 गोदामों का उद्घाटन किया

**नईदिल्ली।** सहकार से समृद्धि...। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को एक और तोहफा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत मंडपम %विकसित भारत% की अमृत यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि का साक्षी बन रहा है। सहकार से समृद्धि का जो संकल्प देश ने लिया है, उसे साकार करने की दिशा में आज हम और आगे बढ़ रहे हैं। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पैक्स को मजबूत करने के लिए मोदी जी ने रू. 2,500 करोड़ लगाई है। इसके लिए मैं मोदी जी का धन्यवाद करता हूं। आज मोदी जी द्वारा 18 हजार पैक्स की शुरुआत हुई। इसके साथ-साथ विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की भी शुरुआत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) में अनाज भंडारण के लिए 11 गोदामों का उद्घाटन किया।

ये गोदाम सहकारी क्षेत्र में सरकार की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। मोदी ने गोदामों और अन्य कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए देश भर में अतिरिक्त 500 पैक्स की आधारशिला भी रखी।

इन पहलों का मकसद नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की मदद से पैक्स गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से जोड़ना है। प्रधानमंत्री ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र एक लचीली अर्थव्यवस्था को आकार देने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने में सहायक है। उन्होंने कहा, आज हमने अपने किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की है। इसके तहत देश भर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसके तहत 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी। मोदी ने सहकारी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे खाद्य तेलों और उर्वरकों सहित कृषि उत्पादों के लिए आयात निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि देश में भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों ने इस समस्या पर कभी ध्यान नहीं दिया। लेकिन, आज पैक्स के जरिए इस समस्या का समाधान किया जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न भंडारण कार्यक्रम के तहत अगले पांच वर्षों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी। इस पहल पर 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे।

मोदी ने कहा कि विशाल भंडारण सुविधाओं के निर्माण से किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण लेने और अच्छी कीमत हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने सहकारी समितियों की चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता लाने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि इससे सहकारी आंदोलन में लोगों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एक अलग मंत्रालय के माध्यम से देश में सहकारी समितियों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। मोदी ने यह भी कहा कि बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया गया है और पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने देश भर में 18,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक परियोजना का भी उद्घाटन किया।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि छोटे किसान उद्यमी बन रहे हैं और यहां तक कि अपनी उपज का निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने 10,000 एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। हम पहले ही 8,000 एफपीओ स्थापित कर चुके हैं। उनकी सफलता की चर्चा अब वैश्विक स्तर पर हो रही है।

मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र भी सहकारी समितियों से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारी समितियों को उन वस्तुओं की एक सूची बनानी चाहिए, जिनका भारत आयात करता है और उन्हें स्थानीय स्तर पर उत्पादित या निर्मित करने की योजना बनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सहकारी संगठन खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेल के आयात को कम करने में मदद कर सकते हैं। मोदी ने कहा, ईंधन आयात को कम करना होगा। एथनॉल में हम बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। एथनॉल का उत्पादन काफी बढ़ गया है। इससे पहले, सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना भारत के 100 प्रतिशत अनाज भंडारण की क्षमता बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव से पहले 30,000 और पीएसीएस का कम्प्यूटरीकरण पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह सहकारी क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और छोटे तथा सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। शाह ने कहा कि 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ 65,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण की परियोजना को मंजूरी दी गई है।

# दुविधा में टीएमसी, गठबंधन पर नहीं ले पा रही फैसला

### अधीर रंजन चौधरी का ममता पर निशाना, शांतनु सेन का पलटवार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को इंडिया गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। चौधरी ने कहा कि वे (टीएमसी) दुविधा में हैं। पार्टी सुप्रीमो (ममता बनर्जी) की ओर से आधिकारिक तौर पर हां या ना होनी चाहिए। वे आधिकारिक तौर पर यह नहीं कह रहे हैं कि गठबंधन बनाने की प्रक्रिया खत्म हो गई है। क्योंकि वे दुविधा में हैं।

उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर एक वर्ग का मानना है कि अगर पार्टी इंडिया गठबंधन के बिना अकेले चुनाव लड़ती है, तो पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक उनके खिलाफ मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि टीएमसी का एक धड़ा चाहता है कि गठबंधन जारी रहे। एक और वर्ग इस दुविधा में है कि अगर बंगाल में गठबंधन को ज्यादा महत्व दिया गया तो मोदी सरकार उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करेगी... इन दोनों दुविधाओं के कारण टीएमसी कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले पा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हो सकता है कि दिल्ली में कुछ बातचीत हुई हो, लेकिन मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं है। वहीं, अधीर रंजन चौधरी के बयान पर टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने कहा कि अधीर चौधरी को पहले अपना रुख साफ करना चाहिए। हर कोई जानता है कि पिछले कुछ सालों से वह बीजेपी विरोधी ताकत टीएमसी को बदनाम करने और बीजेपी को ऑक्सीजन देने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को, कांग्रेस ने कहा कि पार्टी और टीएमसी के बीच सीट-बंटवारे की बातचीत पटरी पर आ गई है, क्योंकि टीएमसी ने शुरू में दावा किया था कि वह अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। कांग्रेस ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में कांग्रेस 17 सीटों पर और समाजवादी पार्टी 63 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

## भरूच सीट आप के पास जाने से भड़कीं अहमद पटेल की बेटी

**गांधीनगर।** आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन का औपचारिक एलान हो गया है। दोनों पार्टियों ने सीटों के बंटवारे की भी जानकारी दी है। हालांकि इसे लेकर बगावत के सुर भी सुनाई देने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे अहमद पटेल की बेटी और कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बागी तेवर की झलक दिखाई है। उन्होंने लिखा कि हम अहमद पटेल की 45 वर्षों की विरासत को बेकार नहीं जाने देंगे। कांग्रेस और आप के बीच गुजरात में गठबंधन का एलान हो गया है और गठबंधन के तहत राज्य में कांग्रेस 24 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं आम आदमी पार्टी को दो सीटें भरूच और भावनगर दी गई हैं। मुमताज पटेल ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि हम अपने जिला कैडर से माफी मांगते हैं कि हम भरूच लोकसभा सीट को गठबंधन के तहत नहीं बचा पाए। मैं आपकी नाराजगी को ऊपर तक पहुंचाऊंगी। हम सभी साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करेंगे और अहमद पटेल की 45 वर्षों की विरासत को बेकार नहीं जाने देंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

## दूसरे दिन का खेल खत्म भारत 134 रन पीछे

**रांची।** दूसरे दिन का खेल खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में सात विकेट गंवाकर 219 रन बना लिए हैं। कुलदीप यादव 17 रन और ध्रुव जुरेल 30 रन बनाकर नाबाद हैं। इंग्लैंड ने पहली पारी में 353 रन बनाए थे। इस लिहाज से टीम इंडिया अभी भी 134 रन पीछे है। भारतीय बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया है। इंग्लिश स्पिनर्स ने कहर बरपाया है। शोएब बशीर ने चार और टॉम हार्टले ने दो विकेट लिए हैं। इसके अलावा जेम्स एंडरसन को एक विकेट मिला है।

वहीं, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की पहली पारी 353 रन पर समाप्त हो गई। शनिवार को इंग्लैंड ने सात विकेट पर 302 रन से आगे खेलना शुरू किया। 51 रन जोड़ने में टीम ने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। तीनों विकेट रवींद्र जडेजा ने लिए। उन्होंने एक ही ओवर में ओली रॉबिन्सन और शोएब बशीर को पवेलियन भेजा। जडेजा ने सबसे पहले रॉबिन्सन और जो रूट की 102 रन की साझेदारी को तोड़ा। इंग्लैंड की पारी के 103वें ओवर की पहली गेंद पर रॉबिन्सन को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। वह 58 रन बना सके। इसके बाद ओवर की चौथी गेंद पर जडेजा ने शोएब बशीर को रजत पाटीदार के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। फिर उन्होंने जेम्स एंडरसन को एल्बीडब्ल्यू आउट कर इंग्लैंड की पारी को 353 रन पर समेट दिया। एंडरसन खाता भी नहीं खोल सके।

इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा दो रन बनाकर आउट हुए थे। इसके बाद शुभमन गिल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 82 रन की साझेदारी निभाई। रजत पाटीदार एक बार फिर फेल रहे और वह 17 रन ही बना सके। वहीं रवींद्र जडेजा 12 रन बनाकर आउट हुए। रोहित को एंडरसन ने पवेलियन भेजा था। वहीं, शुभमन, रजत और जडेजा को शोएब बशीर ने पवेलियन भेजा। इस बीच यशस्वी ने टेस्ट करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## ब्रोकरों को शेयर बाजार में हेर-फेर से सतर्क रहने की जरूरत

**नईदिल्ली।** शेयर बाजार नियामक सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश चंद्र वार्षणेय ने शनिवार को पूंजी बाजार में हेरफेर के प्रति सावधान करते हुए ब्रोकरों को सतर्क रहने और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कहा। शेयर बाजार में गड़बड़ियों पर नकेल कसते हुए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ हेरफेर के लिए कार्रवाई कर रही है। निवेशकों के भरोसे के महत्व पर जोर देते हुए वार्षणेय ने कहा कि अगर निवेशकों का भरोसा नहीं है, तो सब कुछ विफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ब्रोकर हेराफेरी में शामिल हैं और ब्रोकर समुदाय को नजर रखनी चाहिए क्योंकि सिस्टम में बुरे तत्व आ सकते हैं। वह राष्ट्रीय राजधानी में एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

## प्लैटिनम इंडस्ट्रीज का आईपीओ अगले हफ्ते खुलेगा

**नईदिल्ली।** प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ 27 फरवरी 2024 यानी अगले सप्ताह मंगलवार को प्राइमरी मार्केट में आएगा। एनएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस आईपीओ का प्राइस बैंड 162 से 171 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। कंपनी का लक्ष्य नए इश्यू जारी करके अपने इश्यू के जरिये 235.32 करोड़ रुपये जुटाने का है। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 27 फरवरी फरवरी को खुलेगा और यह 29 फरवरी 2024 को बंद होगा। कंपनी के आईपीओ के तहत 87 शेयरों का एक लॉट फिक्स किया गया है। आईपीओ का 50 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का हिस्सा 35 फीसदी और 15 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। शेयरों का अलॉटमेंट 1 मार्च को फाइनल होगा।

## जियो फाइनेंशियल का शेयर एक हफ्ते में 20 प्रतिशत चढ़ा

**नईदिल्ली।** जियो फाइनेंशियल सर्विसेज शुक्रवार को 2 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनियों के विशेष समूह में शामिल हो गई। जियो फाइनेंशियल का शेयर शुक्रवार को रिकॉर्ड 325 रुपये के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। जियो फाइनेंशियल के शेयरों में शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में भारी वॉल्यूम में ट्रेड हुआ जिससे बीएसई पर कंपनी का शेयर 7 प्रतिशत के उछाल के साथ क्लोज हुआ। पिछले एक सप्ताह में गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के शेयर ने एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में 1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है। 21 अगस्त, 2023 को लिस्ट होने के बाद से यह अब अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर कारोबार कर रहा है। इस महीने जियो फाइनैंशियल का शेयर अब तक 34.5 फीसदी चढ़ा है। यह बढ़ोतरी पेटीएम में दिक्कतों के बीच देखने को मिली है, जिसके पेमेंट बैंक के खिलाफ आरबीआई ने कार्रवाई की है।

## पाकिस्तान ने गैस पाइपलाइन के निर्माण को दी मंजूरी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इससे नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अंतरिम सरकार की ऊर्जा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीओई) ने पाकिस्तान के अंदर 80 किलोमीटर के खंड के पहले चरण के लिए कई वर्षों की देरी के बाद मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है। समिति ने पेट्रोलियम डिवीजन की सिफारिश पर कार्य करते हुए प्रारंभिक चरण में पाकिस्तान-ईरान सीमा से शुरू होकर बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर तक परियोजना की शुरुआत का समर्थन किया है।

# बिगड़ती कानून व्यवस्था का असर पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था पर

**प्रह्लाद सबनानी**

किसी भी देश में आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए उस देश में सामाजिक शांति बनाए रखना अति आवश्यक है। यही शर्त किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति के सम्बंध में भी लागू होती है। भारत का पश्चिम बंगाल राज्य कुछ वर्ष पूर्व तक भारत में सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति कर रहे राज्यों के बीच अग्रिम पंक्ति में रहता आया है। परंतु, हाल ही के वर्षों में पश्चिम बंगाल में शांति भंग होती दिखाई दे रही है, इसका प्रभाव स्पष्टत: इस राज्य के आर्थिक विकास पर भी विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

पश्चिम बंगाल के विशेष इलाके संदेशखाली में घटित घटना केवल उदाहरण है। वरना, पूरे पश्चिम बंगाल में ही आज अराजकता का माहौल है जो पश्चिम बंगाल की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप में प्रभावित कर रहा है।

लगभग 1960 के दशक तक पश्चिमी बंगाल की औसत प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय से अधिक हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल, भारत के प्रथम तीन सबसे अधिक धनी राज्यों में शामिल था। पहले दो राज्य थे- महाराष्ट्र एवं गुजरात। 1980 का दशक आते आते पश्चिम बंगाल की औसत प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय के लगभग बराबर तक नीचे आ गई थी। 1990 के दशक में राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय पश्चिम बंगाल की तुलना में तेज गति से आगे बढ़ने लगी और पश्चिम बंगाल का स्थान देश में 7वें स्थान पर आ गया। वर्ष 2000 में और भी नीचे गिरकर 10वें स्थान पर आ गया एवं वर्ष 2011 में यह 11वें स्थान पर आ गया। यह गिरावट आज भी जारी है और आज पश्चिम बंगाल औसत प्रति व्यक्ति आय के

मामले में देश में 14वें स्थान पर आ गया है।

इसी प्रकार, वर्ष 1993-94 एवं 1999-2000 के बीच पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि अर्जित की गई थी जबकि भारत का राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत 4.6 प्रतिशत था। अगली दशाब्दी में पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर गिरकर 4.9 प्रतिशत रह गई जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत बढ़कर 5.5 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2011-12 से लेकर वर्ष 2019-20 के दौरान पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर और भी नीचे गिरकर 4.2 प्रतिशत हो गई जबकि राष्ट्रीय स्तर पर औसत 5.2 प्रतिशत रहा। इस प्रकार पश्चिम बंगाल एवं राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर में यह अंतर और भी बढ़ता ही जा रहा है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि 1990 के दशक में पश्चिम बंगाल में विकास दर राष्ट्रीय स्तर पर औसत विकास दर से अधिक थी। परंतु, वामपंथी दलों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में विकास दर राष्ट्रीय औसत से कम हो गई थी। पश्चिम बंगाल पर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लगातार कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस का शासन रहा है। विशेष रूप से वामपंथी दलों एवं तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पश्चिम बंगाल की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होती रही है।

वर्ष 2022 में पश्चिम बंगाल में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 157,254 रुपए था जबकि विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का राष्ट्रीय औसत 2411 अमेरिकी डॉलर था। यदि 80 रुपए प्रति डॉलर की दर पर अमेरिकी डॉलर को रुपए में बदला जाए तो यह राशि लगभग 164,000 रुपए प्रति व्यक्ति रहती है, जो पश्चिम बंगाल में प्रति व्यक्ति औसत से कहीं अधिक है। जबकि पश्चिम बंगाल किसी समय पर भारत के समस्त राज्यों के बीच सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति करता हुआ राज्य रहा है। यह देश की आर्थिक राजधानी भी माना जाता रहा है। आज आर्थिक प्रगति के मामले में पश्चिम बंगाल की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है। यह सब पश्चिम बंगाल में छिन्न-भिन्न हो रहे सामाजिक ताने बाने के चलते एवं उपरोक्त वर्णित संदेशखाली जैसी घटनाओं में हो रही वृद्धि के चलते हो रहा है।

# समन्दर की ग़लतफ़हमी से कोई पूछ तो लेता... ज़मीं का हौसला क्या ऐसे तूफ़ानों से कम होगा...

सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा के लिये चुनी गई हैं।अब तक सिर्फ दो मौके ऐसे आए हैं,नेहरू-गांधी परिवार राज्यसभा में पहुंचे।पहला मौका 1962 मेंऔर दूसरा1964 में आया था।1962 में परिवार से संबंध रखनेवाली उमा नेहरू रास सदस्य बनी थीं।उमा का कार्यकाल ही1962-1963 में रहा था।वहीं,1964 में इंदिरा गांधी भी राज्यसभा पहुंची।इंदिरा गांधी1964 से1967 तक राज्यसभा सदस्य रहीं।दोनों नेताओं ने रास में उप्र का प्रतिनिधित्व किया था।इंदिरा पहली बार पीएम बनीं,उस वक्त वह राज्यसभा की ही सदस्य थीं।1967 के लोकसभा चुनाव रायबरेली सीट से लड़ा और जीत दर्ज की। बाद में रास की सदस्यता छोड़ दी।1967 के बाद इंदिरा लगातार लोकसभा का चुनाव ही जीतती रहीं, निचले सदन में पहुंचती रहीं।1977 की जनतालहर में इंदिरा को रायबरेली से हार मिली तो कर्नाटक की चिकमंगलूर सीट से उप चुनाव जीता,एक बार फिर लोकसभा पहुंच गईं।1980 में जब इंदिरा फिर से पीएम बनीं तो वह आंध्रप्रदेश की मेंडक सीट से सांसद थीं।

1980 में इंदिरा को मेंडक के साथ रायबरेली सीट पर भी जीत मिली थी।रास पहुंचने वाली नेहरू-गांधी परिवार की दूसरी सदस्य उमा नेहरू,जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई शाम लाल की पत्नी थीं,उमा के पोते अरुण नेहरू,राजीव सरकार में मंत्री रहे थे।उमा और शामलाल के दो बच्चे हुए श्याम कुमारी,आनंद।अरुण नेहरू,आनंद के बेटे थे।उमा पहली और दूसरी लोकसभा में सीतापुर सीट से सांसद रही हैं,62 में वह राज्यसभा की सदस्य बनी थीं।

रास सचिवालय कीओर से 2003 में जारी किताब वुमन मेंबर्स ऑफ राज्य सभा में बताया गया है कि उस वक्त जितनी महिलाएं राज्यसभा पहुंची उनमें उमा सबसे उम्रदराज महिला थीं, 1962 में जब वह राज्य सभा की सदस्य बनीं उस वक्त उनकी उम्र 78 साल थी।हालांकि,एक साल बाद ही अगस्त1963 मेंउमा का निधन हो गया।

## भाजपा के 303 सांसदों में 67 तो मूल कांग्रेसी?

भाजपा अभी से दावा कर रही है कि अबकी बार 400 पार...यानि 2024 के लोस चुनाव में भाजपा को 370 और सहयोगी दलों के गठ बंधन को 400 से अधिक सीटों पर जीत मिलेगी। कभी भाजपा के मप्र,छग के विधायक और संसदीय सचिव रहे वीरेंद्र पांडे ने जानकारी साझा की है कि अभी लोकसभा में भाजपा के 303 सदस्यों में से मूल भाजपा के केवल 134 ही सांसद हैं।169अन्य पार्टी से भाजपा में आकर कमल निशान से सांसद बने हैं।

उसमें से 67 तो कॉंग्रेस से आए हुए हैं।मतलब मूल भाजपा केसांसदों संख्या से आधी कॉंग्रेस से आयातित की है।भाजपा के सांसदों में मूल भाजपाई की संख्या से अधिक बाहर से पार्टी में आये घुसपैठिये ,आमंत्रित या शरणार्थी कुछ भी कहें, की है।जिस रफ्तार से अन्य पार्टी के नेताओंको भाजपा में प्रवेश कराकर प्रतिष्ठित किया जा रहा है,उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि चुनाव में मोदी-शाह के अलावा ऊंगलियों में गिनने लायक भाजपा सांसद ही संसद में होंगे।कुछ तो पार्टी में आते ही रास सदस्य बन गये हैं।भाजपा में निष्ठावान कार्य कर्त्ताओं की उपेक्षा कर आयातित लोगों को महत्व दिया जा रहा है?

## लोस चुनावः भाजपा कांग्रेस की चिंता....

छग की 11 लोकसभा सीटों के लिये भाजपा के 9सांसद चिंतित हैं कि उन्हें फिर से टिकट मिलेगी या नहीं..... क्योंकि 2019 में भाजपा ने सभी सांसदों की टिकट काट दी थी,मौजूदा लोकसभा में से 3अरुण साव,रेणुका सिंह तथा गोमती साय तो विधायक बन चुके हैं वहीं बाकी में कुछ को टिकट मिलेगी ऐसा लगता नहीं है...?वैसे सरोज पांडे भी रास में पुनः नहीं जा पाई हैं।उनका दावा तो बनता है।इधर कांग्रेस से ज्योत्सना महंत को टिकट मिलेगी यह तय माना जा रहा है,पीसीसी अध्यक्ष सांसद दीपक बैज तो विस चुनाव हार चुके हैं उन्हें प्रत्याशी बनाया जाएगा ऐसा लगता तो नहीं है?भूपेश बघेल,टीएस बाबा चुनाव लड़ना नहीं चाहते हैं,ताम्रध्वज साहू जरूर लोस चुनाव लड़ना चाहते हैं,पर विस चुनाव में हार से उनका दावा भी कमजोर है।वैसे भाजपा की तरह कांग्रेस भी नये उम्मीदवारों को उतारेगी ऐसी संभावना है।

## पक्षियों की प्रजातियों का होगा सर्वे..

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पक्षियों की प्रजातियों का सर्वे,बर्ड काउंटइंडिया बर्ड एंड वाइल्ड लाइफ छग के साथ मिलकर यह सर्वे 25 से 27 फरवरी तक किया जा रहा है,नक्सल प्रभावित बस्तर जिले में स्थित इस राष्ट्रीय उद्यान में होने वाले सर्वेक्षण में 9 राज्यों के 70 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे।200 वर्ग किमी में फैला यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता,जैव विविधता, गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है,इसमें भारत के पश्चिमी घाट,पूर्वी हिमालय में पाए जाने वाले पक्षी भी रहते हैं।पिछले साल इसी तरह का एक सर्वेक्षण किया गया था जिसमें पक्षियों की 201 प्रजातियां की पहचान की गई थी।पहाड़ी मैना,ब्लैक हुडेड,ओरियोल भृंगराज, जंगली मुर्गी,कठफोड़वा, रैकेट टेल,सरपेंटाईगर, आदि शामिल हैं।

## और अब बस....

- केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) छग में भी जांच कर सकेगी।प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने करीब पांच साल पहले लगी रोक वापस ले ली है।
- छग में तबादला, नियुक्ति के लिये ऊपर से दबाव बनाने की बात लोग करते हैं पर ऊपर कौन है इसी का पता नहीं है?
- विष्णुदेव सरकार में किस राजपरिवार के सदस्य की जमकर चल रही है?

# मोदी ने 10 सालों तक सिर्फ जुमलेबाजी किया एक भी वादा पूरा नही किया

## देश की आजादी से लेकर नव निर्माण तक कांग्रेस की देन

**रायपुर।** प्रधानमंत्री मोदी का का भाषण यह बताने के लिये पर्याप्त था कि नरेन्द्र मोदी पिछले 10 साल में कुछ भी उपलब्धि हासिल नही कर पाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 10 साल तक उन्होंने सिर्फ जुमलेबाजी किया। अब लोकसभा चुनाव शुरू होने वाला है मोदी को अपनी उपलब्धि बताने के लिये कुछ भी नहीं है।

बड़ा ही हास्यापद है कि 9 लाख का सूट पहनने वाले, 8 हजार करोड़ के विमान से चलने वाले प्रधानमंत्री मोदी, 35 हजार रू किलों का मशरूम खाने मोदी अपने आप को संत बता रहे। जो प्रधानमंत्री पिछले 10 साल में अपने ब्राडिंग में जनता के हजारों करोड़ रू खर्चा कर देता है? वह खुद को सबसे ईमानदार बता रहे है। प्रधानमंत्री बताये कि अडानी की संपत्ति इनके राज में कैसे बढ़ रही है? अडानी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़ किसके है?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री बताये कि उनके दो कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उनके 2014 के वायदों का क्या हुआ? 100 दिन में महंगाई कम करने का वादे कर क्या हुआ? किसानों की आय दुगुनी का क्या हुआ? मोदी यह बताये 10 साल के बाद भी अपने समर्थन मूल्य गारंटी के लिये भारत का किसान दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। युवाओं को 2 करोड़ रोजगार क्यो नही मिला, पेट्रोल डीजल के दाम 35 रू क्यो नही हुआ? हर के खाते में 15 लाख क्यो नही आया? 2022 तक हर आवासहीनों के मकान के वायदे का क्या हुआ, विदेशों से काला धन लाकर हर नागरिक के खाते में 15 लाख लाने के वादे का क्या हुआ? मोदी बताये देश के महिलाओ को सुरक्षित वातावरण क्यो नही मिल रहा है? प्रधानमंत्री को बयानबाजी के बजाय अपने 10 साल के वादों का हिसाब जनता को दे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि नरेन्द्र मोदी को अध्यन करना चाहिये कि 70 सालों में कांग्रेस ने क्या किया। देश की आजादी से लेकर भारत का नव निर्माण कांग्रेस की देन है। जब 1947 के बाद देश में पहली बार कांग्रेस की सरकार बनी तब देश की साक्षरता दर 18 फीसदी थी।

### विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम- शासन की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे आमजन

# मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को किया सम्मानित, मिला योजनाओं का लाभ

**रायपुर।** विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम राजधानी के बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करते हुए प्रमाण-पत्र सौंपा। इन हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया और आम नागरिकों से भी शासन की योजना का लाभ लेने के लिए आग्रह किया। संतोषी नगर निवासी श्रीमती मांडवी कौशिक को शासन के एक ही नहीं तीन-तीन योजनाओं का लाभ मिला है। उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक (मोर जमीन, मोर आवास) के तहत उत्कृष्ट आवास निर्माण के लिए सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वे कहती है कि उनका अपनें घर का सपना साकार हो गया हैं। वे कहती हैं कि पहले उनको किराए के मकान में रहना पड़ता था। जब से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बना है, तब से पैसों की बचत भी हो रही है और भविष्य की चिंताए भी दूर हुई है। साथ ही घर पर अमृत मिशन योजना के

तहत नल कनेक्शन भी मिला है, अब पानी के लिए दर-दर भटकने की जरूरत नहीं पड़ती है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से पहली बार 20 हजार रूपए और दूसरी बार 10 हजार रूपए की राशि मिली। इस राशि से उन्हें अपना कारोबार शुरू करने में मदद मिली है। टिफिन का व्यवसाय शुरू कर बेहतर जीवन-यापन कर रही है, जिससे उनकी तरक्की की राहें आसान हो गई। अब राज्य शासन की महतारी वंदन योजना के तहत श्रीमती मांडवी फॉर्म भरकर काफी खुश है, वे कहती हैं कि अब छोटी-मोटी खर्च की जरूरत के लिए परिवार पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं होगी।

**सिलाई का व्यवसाय बढ़ाने में मिलेगी मदद**-समोदा निवासी श्रीमती भारती साहू को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ मिला है। वे बताती हैं कि वह घर पर सिलाई का व्यवसाय करती है। उन्हें योजना के तहत 15 हजार रूपए की राशि मिलने से व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिलेगी और गांव की दूसरी महिलाओं को रोजगार से जोड़ सकेगी। योजना का लाभ देने के साथ ही प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। प्रशिक्षण के दौरान भी 4 हजार रूपए प्रदाय किया गया।

**5 लाख तक निःशुल्क इलाज**-वीरभद्र नगर निवासी श्रीमती ममता सोन का आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकरण हुआ है। उन्हें 5 लाख रूपये तक ईलाज का लाभ मिलेगा। वे बताती हैं कि पहले छोटी-मोटी बीमारी होने पर इलाज के लिए निजी अस्पताल में जाने के अलावा पैसे खर्च करने की मजबूरी होती थी। इस योजना से अब 5 लाख तक निःशुल्क इलाज की सुविधा है। यदि कभी वे बीमार हो जाए तो अस्पताल जाने पर किसी भी तरह की चिंता नहीं होगी और निश्चिंत होकर ईलाज कराएंगे।

**कारोबार को मिलेगा बढ़ावा**-मठपुरैना निवासी श्रीमती आरती गुप्ता को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ मिल रहा है। वे बताती हैं कि घर के करीब ही ठेला लगाकर चाट-गुपचुप का व्यवसाय करती है। श्रीमती आरती योजना का लाभ मिलने से काफी खुश है। वे यह भी बताती हैं कि पहले थोड़ा बहुत सामान खरीदी कर व्यवसाय करना पड़ता था, इससे लागत ज्यादा और कमाई कम होती थी, लेकिन कारोबार के लिए राशि मिलने से अधिक सामान की खरीदी कर सकेंगे और लागत भी कम होगी।

**बच्चे के इलाज में कोई खर्च नहीं**- कृष्णा नगर में रहने वाली श्रीमती होमिन साहू के तीन वर्षीय पुत्र सिकलसेल से पीड़ित है। श्रीमती होमिन बताती हैं कि बेटे के इलाज में खर्च की जरूरत नहीं होती है। क्योंकि आयुष्मान कार्ड से ईलाज निःशुल्क मिल रहा है। ब्राम्हण पारा निवासी श्रीमती दुर्गा देवांगन बताती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनकर तैयार हो गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

## विधानसभा में राम मंदिर निर्माण पर आभार प्रस्ताव पारित

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा सदन में रखे गए प्रस्ताव में कहा गया कि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रत्येक नागरिक की ओर से यह सदन जन्मभूमि अयोध्या में लगभग पांच सौ वर्षों के बाद निर्मित भव्य राम मंदिर में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2024 को प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा किए जाने पर कृतज्ञ है। अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि है। छत्तीसगढ़ राज्य प्रभु श्री राम का ननिहाल है और श्री राम के वनवास काल में वन गमन मार्ग रहा है। भगवान राम इस प्रदेश की तीन करोड़ जनता के आराध्य हैं। अयोध्या में राम लला के विराजमान होने से छत्तीसगढ़ की जनता में भी, उल्लास, उत्साह और खुशी का माहौल है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्य मौजूद नहीं थे। मंत्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक घटना थी और दुनिया के कई देशों ने इसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के लिए ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह इस चर्चा में मौजूद नहीं है।

## राईस मिलरों की लंबित मांग पर लगी मुहर, दो प्रतिशत हुआ मंडी शुल्क

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंडी शुल्क को वापस दो प्रतिशत करने का अशासकीय संकल्प पारित किया गया। इस संकल्प के माध्यम से पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लगाए जा रहे कृषक कल्याण शुल्क को भी समाप्त किया गया है। इस संबंध में विधानसभा में विधायक अजय चंद्राकर ने ये संकल्प पटल पर रखा। जिस पर विस्तृत चर्चा के बाद सदन की सहमति मिली। इस सहमति के बाद सूबे के राइस मिलर्स और किसानों को बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने इस फैसले का स्वागत किया है। योगेश ने कहा कि प्रदेश के सैकड़ों राइस मिलर्स की सालों से ये मांग लंबित रही है। पिछली सरकार ने इसे तुग़लकी फरमान ज़ारी कर बढ़ाया था, जिसे वापस लेकर विष्णुदेव जी के नेतृत्व वाली सरकार ने एक बड़ी राहत मिलर और किसानों को दी है। योगेश ने बताया कि भाजपा सरकार में लागू 2 प्रतिशत मंडी शुल्क को बढ़ाकर 30 नवंबर 2021 से धान पर 3त्न मंडी शुल्क एवं 2% कृषक कल्याण कोष शुल्क लागू किया गया था। पहले इसे 5 प्रतिशत फिर 2 प्रतिशत अब फिर 5.2 प्रतिशत की वसूली मंडी शुल्क के रूप में की जा रही थी।

## केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के हाथों में जनमन

**रायपुर.** केंद्रीय राज्य मंत्री ऊर्जा एवं भारी उद्योग श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका जनमन का अवलोकन किया। श्री गुर्जर ने विषयवस्तु की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने जिन योजनाओं को लागू किया, जनकल्याण के लिए जो काम किये गये, उन्हें इस पत्रिका में सारगर्भित ढंग से सहेजा गया है। शासन की योजनाओं की जानकारी के साथ साथ इन योजनाओं के जरिये नागरिकों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों को यह पत्रिका सुंदरता से प्रस्तुत कर रही है। उल्लेखनीय है कि श्री गुर्जर रायगढ़ के शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में शामिल होने दिल्ली से पहुंचे थे।

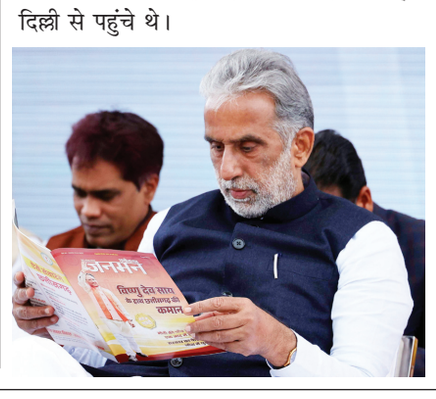


## मोदी की गारंटी वाली सरकार में जनता की सुरक्षा की गारंटी नही

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रतनपुर के सिद्ध मुनि आश्रम कका पहाड़ के काली कमली वाले बाबा श्याम सुंदर दास के ऊपर चाकू से हमला हो जाता हैं. साय सरकार के 2 महीने में छत्तीसगढ़ में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं., गौ रक्षक साधुराम यादव की हत्या, राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र की हत्या हो गई। दो महीना में 20 से अधिक हत्या, 26 से अधिक नक्सली हमला सैकड़ो जगह चाकू बाजी, दर्जनो लूटपाट, सुदखोर,भू-माफिया का आतंक बढ़ गया, गांजा तस्कर, ड्रग्स तस्कर, दर्जनों रेप-गैंगरेप की घटना हो जाती है, स्कूल जाने वाले बच्चे असुरक्षित है. पूरा प्रदेश में कानून व्यवस्था लड़खड़ा गई है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी की गारंटी के नाम से सरकार में आए लोग आम जनता को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे पा रहे हैं.भाजपा सरकार नागरिकों को जीवन जीने का सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में नाकामयाब साबित हो गईं हैं. अपराधिक घटना होने के बाद अपराधी बेखौफ होकर घूम रहा है सुदखोरों के दबाव में आम व्यक्ति आत्महत्या कर ले रहा है और सरकार में बैठे लोग मौन है 2 महीने में पूरे प्रदेश में अराजकता की स्थिति निर्मित हो गई है भू माफिया सूदखोर भाजपा नेताओं से नजदीकी बताकर आम जनता को डरा धमका रहे. गरीबों के मकान दुकान पर भू माफिया के द्वारा कब्जा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

## साधराम व भुवनेश्वर को श्रद्धांजलि देने 27 को राजधानी में मशाल यात्रा

**रायपुर।** कवर्धा के लालपुर में 20 जनवरी 2024 को जहां गौ सेवक साधराम यादव तथा साजा विधानसभा क्षेत्र के बिरनपुर में 8 अप्रैल 2023 को भुनेश्वर साहू की तथाकथित लोगों ने हत्या कर दी थी। इन दोनों घटनों में पीड़ितों को फांसी की सजा देने व दोनों मृतकों के परिजनों को एक एक करोड़ रुपये मुआवजा तथा परिवार से किसी एक को सरकारी नौकरी दिए जाने तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने 27 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल एक मशाल यात्रा निकालकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रदेश महामंत्री दीपक दुबे एवं राष्ट्रीय बजरंग दल प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भीम साहू ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी कुछ कट्टरपंथियों ने पैर पसारना शुरु कर दिया है। जिसके तहत 8 अप्रैल 2023 को बिरनपुर साजा में भुनेश्वर साहू तथा 20 जनवरी 2024 की मध्य रात्रि लालपुर कवर्धा में गौ सेवक साधराम यादव का सर धड़ से अलग कर निर्मम हत्या कर दी गई है। कुछ वर्ष पहले सूरजपुर जिले के भटगांव जरही में बाबा खान ने घर में घुसकर एक हिन्दू नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार कर हत्या कर दी थी।

### हवन-अनुष्ठान के बाद महादेव घाट में किया गया विसर्जन

# सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग का एक साथ हुआ अभिषेक

**रायपुर।** सनातन धर्म प्रचार परिषद द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के साथ सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण का लक्ष्य सप्ताह भर में पूरा होने से भक्तों में काफी ज्यादा उत्साह था। शनिवार को सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुजन शिवलिंग अभिषेक पूजन-अनुष्ठान में शामिल होने के लिए लाखेनगर हिंद स्पोर्टिंग मैदान में एकत्रित हो गए थे। पहली बार वे इतनी बड़ी संख्या में शिवलिंग का एक साथ अभिषेक में सहभागी बनना चाह रहे थे। विशाल पंडाल में चारों तरफ केवल हर-हर महादेव, जय शिव-शंभू,जय भोलेनाथ के जयकारे लग रहे थे। वेदाचार्यों ने पूरी विधि विधान से अभिषेक अनुष्ठान पूरा कराया। हजारों की संख्या में महिला पुरुष सदस्य परिवार के साथ

सामूहिक रूप से पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। अभिषेक के लिए पूरी पूजन सामग्री परिषद के सदस्यों ने उपलब्ध करायी। इन्ही हाथों से सात दिनों में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग तैयार हुआ था और यह महाअनुष्ठान पूरा होने के बाद देर शाम खारुन नदी महादेव घाट में विसर्जन करने भक्तजन पैदल ही चल पड़े। रास्ते भर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत हुआ। अश्वनी नगर में मिष्ठान व शरबत का वितरण भी किया गया। संत राजीवनयन व संजीवनयन महाराज ने बताया कि वैसे तो यह एक कठिन लक्ष्य था सात दिनों में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण, लेकिन महादेव की कृपा से भक्तों ने यह कर दिखाया। कोई रिकार्ड या उपलब्धि बताने के लिए यह आयोजन उन्होने नहीं किया था, भक्तों को भगवान से जोडने का एक छोटा सा प्रयास था। रोजाना सुबह छह बजे से लोग पंडाल पहुंच जाते थे और दोपहर तक शिवलिंग निर्माण पश्चात भोजन और फिर कथा श्रवण रात्रि आठ बजे तक मतलब चौदह घंटे नियमित प्रभु की भक्ति के लिए समय देना इससे बड़ी आस्था का उदाहरण भला और क्या हो सकता है। सात दिनों तक चली श्रीमद्भागवत कथा का सार प्रस्तुत करते हुए राजीवनयन जी महाराज ने कहा कि यह तो महिमा है भागवत कथा की कि जितनी भर भी सुनो कम ही है। श्रीकृष्ण जी ने मानव जीवन के लिए कई संदेश दिए हैं। हर अध्याय, हर प्रसंग की अपनी अलग महिमा है। भागवत कथा श्रवण मोक्ष का माध्यम है,गोविंद से मिलाने का रास्ता है,सुनी हुई बातों को आत्मसात कर लिया तो जीवन धन्य हो जायेगा।

# 66 लाख 68 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 24 फरवरी की स्थिति में 66 लाख 68 हजार 35 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का अन्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निशक्तजन एपीएल राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा रहा है। राशनकार्डधारियों के लिए खाद्य विभाग द्वारा एप तैयार किया गया है।

एप के माध्यम से हितग्राही ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। ऐसे हितग्राही जिनके पास एंड्राएड मोबाईल की सुविधा नहीं है या नेटवर्क की समस्या है तो वे हितग्राही उचित मूल्य की दुकान में भी जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है।

हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.